संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 204
पृष्ठ 8
मंगलवार
14 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com | सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में कुछ चटपटा खाने का..
विचार- अहम् भाव नहीं, अहोभाव का व्यक्ति हूं
खेल- स्पिनर होते हुए तेज बाउंसर कैसे...

मुजफ्फरनगर में सीएम योगी बोले-

सेना और महापुरुष सिर्फ देश के होते हैं, उनकी कोई जाति नहीं होती

मुजफ्फरनगर,संवाददाता। माफिया की जगह सिर्फ मिट्टी में होगी, बेटी की सुरक्षा के साथ खेलने वालों के लिए इस धरती पर कोई जगह नहीं है। पाकिस्तान वाले खाने को मोहताज हो रहे हैं। उसे तो भूखों ही मरना है। यह बात सीएम योगी ने मुजफ्फरनगर में सोमवार को कही। योगी ने कहा कि भारत में मोदीजी की नीतियों से पेट्रोलियम की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। अगर सब कुछ शांति से मिल रहा, तो अशांति फैलाने का काम नहीं करना चाहिए। कुछ चीजों को राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। सेना और महापुरुष सिर्फ देश के होते हैं, उनकी कोई जाति नहीं होती। योगी ने मुजफ्फरनगर जिले को बड़ा तोहफा दिया। कहा कि जल्द ही नगर निगम बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के कारण हम सब सुरक्षित हैं। 145 करोड़ का भारत सुरक्षित है। यह नए भारत

की ताकत है। अमेरिका जो सुपर पावर है, वहां एक साल के अंदर पेट्रोलियम पदार्थों का दाम चार गुना बढ़ गए हैं। दुनिया के तमाम देशों में महंगाई चरम पर है। लेकिन मोदीजी के कारण भारत में पेट्रोलियम पदार्थों का दाम भी नियंत्रित है। जो बाधा है, उसको स्मूथ करके लोगों तक पहुंचाने के लिए भी एक से बढ़कर एक कदम उठाए जा रहे हैं। हर दिन 1 से डेढ़ हजार करोड़ अतिरिक्त दिए जा रहे, तब यह व्यवस्था लागू हो पा रही है। जैसी सुखद अनुभूति हम कर रहे, वैसी कोई पाकिस्तान में कर पाएगा क्या? ईरान, कतर और अन्य मुस्लिम देशों में कोई कर पाएगा क्या?

सुरक्षा के बीच अशांति फैलाने की कोशिश जब सुरक्षा का अहसास होता है, तो कुछ लोग धैर्य खोने लगते हैं। किसी भी परिस्थिति में धैर्य नहीं खोना चाहिए। यूपी में डबल इंजन की सरकार बेटी–व्यापारी की सुरक्षा दे रही है, रोजगार की गारंटी दे रही है। किसानों को खुशहाली दे रही है। कोरोना काल में आपने देखा होगा, हमारी सरकार ने कर्मिकों के लिए गाड़ी दी थी। सभी फ्री सुविधा दी और घरों तक पहुंचाया था। यह वही राज्य है, जहां 2017 से पहले उद्योग नहीं लगता था, तालाबंदी होती थी। बेटी–व्यापारी सुरक्षित नहीं था। मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, शामली, गाजियाबाद, मुरादाबाद सभी जगह यही स्थिति थी।

श्रमिकों के संरक्षण की जिम्मेदारी ली औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें। हमारी सरकार श्रमिकों के साथ है। उद्यमी को सुरक्षा देगी, श्रमिकों को संरक्षण देगी। सफाईकर्मी हो या आउटसोर्सकर्मी, सभी को न्यूनतम वेतन की गारंटी होगी। इसमें कोई बिचौलिया नहीं होगा। अगले कदम में हर औद्योगिक संस्थान को इसमें जोड़ा जाएगा, सिर्फ सरकारी तक सीमित नहीं होगा। धीरे–धीरे करके बीमा कंपनियों से बात हो रही है, जिससे हर श्रमिक को स्वास्थ्य की सुविधा मिल सके।

महापुरुषों को जाति के दायरे में मत बांधिए। देश इसीलिए गुलाम हुआ था, जब हमने जातीय दायरे में लोगों को बांधा था। महाराणा प्रताप, गुरुगोविंद सिंह, लक्ष्मीबाई, भगत सिंह देश के लिए लड़े थे। चौधरी चरण सिंह ने किसान, गांव, श्रमिक, युवाओं की बात की। उन्होंने खेत–खलिहान की बात की। जाति की बात नहीं की। सैनिक लड़ते समय जाति नहीं देखता, देश देखता है। सैनिक की कोई जाति नहीं होती है। अच्छा लगता है, जब नौजवान के चेहरे पर विश्वास झलकता है। अच्छा लगता है, जब हमारी माता–बेटी और बहन सुरक्षित होती है। इसी विश्वास के दम पर नए भारत के निर्माण के लिए पीएम आगे बढ़े हैं। जयंत चौधरी के नए विजन के साथ सरकार इसे आगे बढ़ा रही है। मुजफ्फरनगर का गुड़ कोई देख ले, तो लार टपकने लगेगी मुजफ्फनगर को स्मार्ट सिटी बनाने की तैयारी है। यहां के गुड़ की मिठास आगे जानी चाहिए। यहां का गुड़ कोई देख ले, तो उसके मुंह से लार टपकने लग जाएगी। किसानों ने मांग की प्राइवेट ट्यूबवेल को बिजली फ्री दीजिए। 16 लाख ट्यूबवेल को हमने फ्री बिजली दी, जिससे हमारा किसान खुशहाल हो। आप मेहनत करिए, हर श्रमिक को हम सम्मान देंगे।

बड़े–बड़े निवेश हो रहे हैं। फिल्म सिटी बन रही है। यह भी नौजवानों के लिए एक नया अवसर है। लाखों नौजवानों को नौकरी की गारंटी मिल रही है तो हमें जाति में नहीं बंटना है, हम जब भी बंटे थे, तब–तब कटे थे। आज दंगा–फसाद, उपद्रव से मुक्त प्रदेश है। उपद्रव नहीं, उत्सव से हमारी पहचान है। बेटियां वर्दी पहनकर निकलती हैं, तो शोहदे कांपते हैं अभी जब मैं नियुक्ति पत्र बांट रहा था, तो बेटियों के चेहरे पर ज्यादा चमक थी।

सुप्रीम कोर्ट ने बायोमेट्रिक सिस्टम पर केंद्र, चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान रोकने के लिए उंगली और आंखों की पुतली से बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली लागू करने की मांग वाली याचिका पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई), केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया। यह याचिका भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की थी। यह नोटिस भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची सहित दो न्यायाधीशों की पीठ ने जारी किया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चल रहे विधानसभा चुनावों के संदर्भ में इस याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा,हालांकि, अगले संसदीय चुनाव औरध्या राज्य विधानसभा चुनावों से पहले इस तरह का उपाय अपनाना उचित है या नहीं, इसकी जांच करने की आवश्यकता है। नोटिस जारी करें। सुनवाई के दौरान, पीठ ने पहले याचिकाकर्ता को निर्वाचन आयोग के पास जाने के लिए कहा था, लेकिन याचिकाकर्ता द्वारा यह स्पष्ट करने के बाद कि वह चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चल रहे विधानसभा चुनावों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, मामले की सुनवाई के लिए सहमत हो गई। अदालत ने टिप्पणी की कि यह जांच करना आवश्यक है कि क्या आगामी संसदीय चुनावों या राज्य चुनावों के लिए इस तरह के प्रोटोकॉल का पालन किया जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान 9 अप्रैल को एक ही चरण में हुआ।

पवन खेड़ा के समर्थन में बोले राहुल

कांग्रेस मजबूती के साथ खड़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को लेकर चल रही सियासत के बीच अब लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है और किसी भी तरह के दबाव या डर से पीछे नहीं हटेगी। यह बयान उस समय आया है जब असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर पवन खेड़ा को मिली ट्रांजिट अग्रिम जमानत को चुनौती दी है। इस पूरे मामले को ऐसे समझिए कि 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट ने पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी। खेड़ा ने यह राहत इसलिए मांगी थी क्योंकि असम पुलिस उनसे पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित उनके घर पहुंची थी, लेकिन वह वहां नहीं मिले। बता दें कि ये पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बीते पांच अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में संपत्ति है, जिसकी जानकारी चुनावी हलफनामे में नहीं दी गई। हालांकि, हिमंता बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठा और मनगढ़ंत बताया है। अब इस मामले में राहुल गांधी ने खुलकर पवन खेड़ा का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि असम के वर्तमान मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट नेताओं में से एक हैं और वे कानून से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता का दुरुपयोग करके विरोधियों को परेशान करना संविधान के खिलाफ है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि पवन खेड़ा की तरफ से उठाए गए सवालों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है और इस मामले में कांग्रेस पार्टी पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है। गौरतलब है कि पवन खेड़ा के खिलाफ मामला रिनिकी भुइयां सरमा की शिकायत पर गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में दर्ज किया गया है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराएं लगाई गई हैं, जैसे कि ऐसे में तेलंगाना हाई कोर्ट ने जमानत देते समय कुछ शर्तें भी रखीं, जैसे कि गिरफ्तारी की स्थिति में एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहाई, जांच में पूरा सहयोग करना, जरूरत पड़ने पर पूछताछ के लिए उपस्थित होना और बिना अदालत की अनुमति देश छोड़कर न जाना।

एक परिवार की सरकार को उखाड़ फेंकेंगे-निनित नवीन

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को होने वाले हैं, ऐसे में भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को तंजावुर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान डीएमके सरकार पर वार करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि यहां की जनता एक परिवार की सरकार को उखाड़ फेंकना चाहती है। अगर किसी राज्य में भ्रष्टाचार में सबसे आगे कोई सरकार है, तो वह तमिलनाडु की डीएमके सरकार है। हम तमिलनाडु के किसानों को आश्वस्त करते हैं कि राज्य में हमारी एनडीए सरकार बनने के बाद, हम किसानों का सम्मान बहाल करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए काम करेंगे। मुख्यमंत्री और उनके बेटे द्वारा सनातन परंपराओं का अपमान करने पर पूरा देश शर्मिंदा है। हम अपने देवी–देवताओं के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

महिला सशक्तिकरण के लिए जीवन चक्र के हर पड़ाव के लिए योजना बना रही है सरकार : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि सरकार महिलाओं के सही मायने में सशक्तिकरण के लिए जीवन चक्र के हर पड़ाव के लिए विशेष योजनाएं बना रही है और उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है।

संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित किये जाने से पहले उसकी पृष्ठभूमिका में यहां आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारी सरकार ने महिलाओं के जीवन चक्र के हर पड़ाव के लिए योजनाएं बनाई , उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई से लेकर संविधान सभा के निर्णयों तक स्वतंत्र भारत की नींव रखने में भारत की नारीशक्ति ने असीमित योगदान दिया है और देश में महिला नेतृत्व का एक बेहतरीन उदाहरण पंचायती राज संस्थाएं हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार प्रगतिशील समाज की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से अनेक छोटे बड़े कदमों से महिलाओं को सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक के जरिये महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में भी एक तिहाई आरक्षण देकर अब देश महिलाओं को सशक्त बनाकर लोकतंत्र को भी नये तरह से सशक्त बनाने जा रहा है। उन्होंने कहा, आज महिलाएं उन क्षेत्रों में भी बुलंदियों को छू रही हैं जहां कभी पुरूषों का एकाधिकार माना जाता था। देश की नारीशक्ति ने अपने परिश्रम, साहस और आत्मविश्वास से नई ऊंचाइयों को छुआ है। अब हमें मिलकर इस शक्ति को नयी ऊर्जा देनी है उसके लिए अवसरों का विस्तार करना है।

मोदी ने सम्मेलन में मौजूद नारी शक्ति को विश्वास दिलाया कि सरकार उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, मैं सबको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि देश उनकी आकांक्षाओं को समझता है और उन्हें पूरा करने के लिए कदम उठा रहा है। मोदी ने महिलाओं से अपील की कि वे महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने के लिए सभी सांसदों को विश्वास में लें और उन्हें इसके समर्थन में तैयार करें। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में हुई चर्चा को भी देश के कोने कोने तक हर महिला तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ष्महिलाएं सांसदों से मिलकर अपना पक्ष रखें और अपनी आकांक्षा रखें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सभी मां और बहनों से अपील करते हैं कि वे जिस दिन यह विधेयक संसद में आये उस दिन सांसदों को फूल मालाओं के साथ विदा करें जिससे वह इस सकारात्मक निर्णय में भागीदार बनें।

उन्होंने कहा कि आज के दिन सभी संकल्प लें कि नारी शक्ति के पास अधिकार भी रहेंगी और वह निर्णय शक्ति में भागीदार भी बनेगी।

श्री मोदी ने कहा कि वैसे तो यह लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का अधिकार है लेकिन वह चाहते हैं कि इस विधेयक के दौरान संसद की दर्शक दीर्घा महिलाओं से ही भरी रहे। उन्होंने कहा कि इससे देश में उत्सव का माहौल बनेगा। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि का सारा श्रेय देश की मातृशक्ति , संसद और सभी दलों को जाता है।

एसआईआर विवाद के बीच सुप्रीम फैसला

मतदाता सूची से बाहर किए गए लोग नहीं कर पाएंगे मतदान

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में इसी महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी घमासान चरम पर है। इसी बीच अब विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सोमवार को साफ–साफ कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के खिलाफ अपील लंबित है, उन्हें आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। राज्य में चल रहे एसआईआर विवाद के बीच सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला चुनावी राजनीति में बड़ा मोड़ माना जा रहा है, जिससे पार्टियों के बीच टकराव और तेज हो सकता है। अदालत ने कहा कि जब तक संबंधित अपीलों पर अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक ऐसे व्यक्तियों को वोट देने की इजाजत देना कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ होगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। जहां सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अगर ऐसे लोगों को वोट देने की अनुमति दी जाती है, तो यह व्यवस्था गड़बड़ा जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद राज्य में करीब 34 लाख वोटर के मतदान करने पर तलवार लटकती हुई नजर आने लगी है। बता दें कि यह पूरा मामला राज्य में चल रही वोटर लिस्ट की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) से जुड़ा है। जिन लोगों के नाम लिस्ट से हटाए गए, उन्होंने इसके खिलाफ अपील की है।

दिल्ली हाईकोर्ट में खुद वकील बने केजरीवाल, जज को हटाने की मांग पर की जोरदार बहस

नई दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शराब नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका की सुनवाई के दौरान दिल्ली उच्च न्यायालय में उपस्थित हुए। उन्होंने स्वयं अपना पक्ष रखा और सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू भी उपस्थित थे। कर्जियेल ने अदालत में बोलना शुरू करते हुए कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से न्यायाधीश का सम्मान करता हूं और मैं अदालत का भी सम्मान करता हूं। पीठ ने जवाब दिया कि सम्मान पारस्परिक होता है और उन्हें मामले पर ध्यान केंद्रित करने

को कहा। केजरीवाल ने फिर कहा कि मैं यहां एक आरोपी की तरह खड़ा हूं, हालांकि निचली अदालत मुझे पहले ही बरी कर चुकी है।ष पीठ ने उन्हें न्यायाधीश को मामले से हटाने की मांग के संबंध में विशेष रूप से अपनी दलीलें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

केजरीवाल ने तर्क दिया कि 9 मार्च को उच्च न्यायालय ने सीबीआई की उस याचिका पर, जिसमें निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी, प्रतिवादियों की अनुपस्थिति में आदेश पारित किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने किसी भी प्रतिवादी की अनुपस्थिति में सीबीआई के पक्ष में आदेश पारित किया और कहा कि निचली अदालत के आदेश में प्रथम दृष्टया खामियां हैं। हालांकि, इस मामले में आरोपपत्र 40,000 से अधिक पृष्ठों का है। अदालत ने इसे पढ़े बिना ही अपना आदेश जारी कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि कानून सीधा है। उनके अनुसार, मुद्दा यह नहीं है कि न्यायाधीश वास्तव में पक्षपाती है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या वादी को निष्पक्षता के संबंध में उचित आशंका है। केजरीवाल ने कहा कि वे ऐसे दस कारण प्रस्तुत करेंगे जिनसे यह स्पष्ट हो सके कि उन्हें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसी आशंका मौजूद है। बहस के दौरान, केजरीवाल ने कई सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का जिक्र किया जिनमें यह बताया गया है कि उचित आशंका क्या होती है। इससे पहले, पिछली सुनवाई में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केजरीवाल की याचिका का कड़ा विरोध किया था।

जब भी विश्व संकट में घिरा, भारत ने ही हमेशा रास्ता दिखाया है : मोहन भागवत

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने सोमवार को कहा कि भारत की आध्यात्मिक विरासत और संतों की शिक्षाओं ने ऐतिहासिक रूप से देश को वैश्विक उथल–पुथल का सामना करने और संकट के समय मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्षम बनाया है। उन्होंने देश की इस लचीलेपन का श्रेय उसकी आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता को दिया।

भागवत ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र के नागपुर के तुलसी नगर इलाके में श्री मज्जिनेंद्र पंचकल्याणेश्वर प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत सात दिवसीय अनुष्ठान समारोह में की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब भी दुनिया संकटों में घिरी होती है, हमारा राष्ट्र ही वह शक्ति बनकर उभरता है जो उसे उस संकट से बाहर निकालता है। मानव

अस्तित्व का सच्चा परिप्रेक्ष्य हमारे इसी आध्यात्मिक ज्ञान में निहित है। जब भौतिकवाद, संकीर्णतावाद और उपभोक्तावाद के तूफान बाहरी दुनिया से आते हैं, जो अक्सर अन्य समाजों को तबाह कर देते हैं, तो वे लहरें हमारे ऊपर से गुजर जाती हैं, हम अडिग और अपरिवर्तित खड़े रहते हैं। इस लचीलेपन का कारण इसी आध्यात्मिक ज्ञान में निहित है। यह हमारे संतों के प्रति कृतज्ञता का ऋणी है। इसलिए, यहाँ श्रद्धा अर्पित करना और इन संतों की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने का प्रयास करना हमारा कर्तव्य है।

यूजीसी बिल के विरोध में कांग्रेसियों ने निकाला कैंडल मार्च

प्रयागराज। यूजीसी बिल के विरोध में रविवार की शाम कांग्रेसियों ने कैंडल मार्च निकाला। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस नेता पीसीसी सदस्य आशीष पांडेय ने किया। आशीष पांडेय ने

कहा कि अभी तक सरकार हिंदू–मुसलमान को बांटने का काम करती रही। अब काला बिल के माध्यम से हिंदुओं को बांटने का काम कर रही है। मौके पर आनंद पांडेय, गोविंद शुक्ला, उमा शंकर मिश्र, रंजीत मिश्रा, जग नारायण मिश्रा, रज्जन शुक्ला, मनीष शुक्ला और विपिन पांडे आदि मौजूद रहे।

पीएफ न जमा होने पर भड़के इलेक्ट्रिक बसों के परिचालक, शुरू की हड़ताल, यात्रियों की परेशानी बढ़ी

प्रयागराज। कार्यदायी संस्था द्वारा इलेक्ट्रॉनिक बस सेवा से जुड़े परिचालकों का पीएफ ना जमा होने के कारण सोमवार को परिचालक हड़ताल पर रहे। परिचालकों के हड़ताल पर होने के कारण शहर के विभिन्न रूटों पर चलने वाली इलेक्ट्रॉनिक बस सेवा ठप हो गई। कार्यदायी संस्था द्वारा इलेक्ट्रॉनिक बस सेवा से जुड़े परिचालकों का पीएफ ना जमा होने के कारण सोमवार को परिचालक हड़ताल पर रहे। परिचालकों के हड़ताल पर होने के कारण शहर के विभिन्न रूटों पर चलने वाली इलेक्ट्रॉनिक बस सेवा ठप हो गई। इसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें कि नैनी नए यमुना पुल के पास इलेक्ट्रॉनिक बस चार्जिंग डिपो बनाया गया है। यहां से शहर के विभिन्न रूटों पर 50 बसों का परिचालन किया जाता है। एक निजी कंपनी द्वारा परिचालकों का संचालन कराया जाता है। परिचालकों का आरोप है कि बीते चार वर्षों से उनके पीएफ में कंपनी द्वारा कोई भी धनराशि नहीं जमा की गई है इसे लेकर पूर्व में कई बार कंपनी प्रबंधन और परिचालकों के बीच बातचीत हो चुकी है। लेकिन पीएफ में धनराशि ना जमा होने से नाराज परिचालकों ने सोमवार काम करने से मना कर दिया।

इसके कारण शहर के विभिन्न रुटो पर चलने वाले इलेक्ट्रॉनिक बसों का संचालन बंद हो गया। एक भी बस डिपो से बाहर नहीं निकली। परिचालकों का कहना है कि बीते शुक्रवार को पीएफ अकाउंट में धनराशि जमा करने को लेकर कंपनी प्रबंधन से बात हुई थी। प्रबंधन ने तीन दिनों का समय मांगा था, लेकिन समय सीमा बीत जाने के बाद भी किसी भी परिचालक के अकाउंट में धनराशि नहीं जमा की गई। वहीं इलेक्ट्रॉनिक बसों का संचालन न होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

रुक्मिणी विवाह की कथा सुन भावविभोर हुए भक्त

प्रयागराज। क्षेत्र के बरदहा गांव में श्रीमद्भागवत साप्ताहिक संगीतमय कथा ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास पं चिंतामणि शुक्ल ने छठवें दिन रविवार को रुक्मिणी विवाह के प्रसंग की कथा सुना करके भक्तों को भावविभोर कर दिया। उन्होंने बताया कि रुक्मिणी श्रीकृष्ण को अपनी भक्ति से पति के रूप में वरण करना चाहती थी। जबकि रुक्मिणी की सगाई शिशुपाल से होनी थी। इसके पूर्व उन्होंने गोपी उद्धव संवाद की कथा का प्रसंग सुनाया। अंत में झांकी निकाली गई। मौके पर मुख्य श्रोता यजमान राजेंद्र प्रसाद मिश्र, पंडित अरुण कुमार, पंडित राम कुमार पांडेय, पंडित गौरव मिश्र, विजय राज सिंह राजू, सुरेश कुमार मिश्र, त्रिभुवन नाथ पांडेय और विवेक कुमार मिश्र आदि रहे।

शृंग्वेरपुर धाम में मंत्री नरेंद्र कश्यप ने किया धर्मशाला का लोकार्पण

प्रयागराज। विद्याथी घाट पर नवनिर्मित धर्मशाला का रविवार को स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने फीता काटकर धर्मशाला का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि शृंग्वेरपुर धाम के समग्र विकास के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। यहां निषाद राज पार्क का निर्माण कराया जा चुका है, जबकि कई अन्य योजनाएं भी प्रस्तावित हैं, जिनसे क्षेत्र का और अधिक विकास होगा।

उन्होंने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में देश और प्रदेश में व्यापक विकास कार्य हुए हैं। कार्यक्रम के बाद मंत्री ने निषाद राज पार्क का जायजा लिया। वहीं राष्ट्रीय रामायण मेला आयोजन समिति के उपाध्यक्ष सियाराम, महामंत्री उमेश चन्द्र द्विवेदी ने राम वन गमन पथ पर उतरने और चढ़ने के लिए शृंग्वेरपुर धाम में बनाए जाने के लिए मंत्री को ज्ञापन सौंपा। वहीं, अखिल भारतीय प्रधान संगठन मंडल प्रभारी कमल कुमार मिश्रा मंत्री से चुनाव में विलंब एवं प्रधान के अधिकारों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर निषाद राज पीठाधीश्वर माधव दास महाराज, लोकनाथ, कन्हैया लाल, सियाराम सरोज, विनोद ओझा, मंजू देवी, अजय निषाद और अर्जुन निषाद आदि रहे।

घर में फंदे पर झूलता मिला वृद्धा का शव

प्रयागराज। गांव बोडीपुर धरौता में रविवार को सुबह 65 वर्षीय लल्ली देवी का फंदे से लटकता शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बोडीपुर धरौता निवासी नंदलाल पाल का मानसिक संतुलन ठीक न होने से वह करीब 20 वर्ष से लापता है। नंद लाल की पत्नी लल्ली देवी मानसिक रूप से विक्षिप्त छोटे पुत्र राज बहादुर पाल के साथ रहती है। दो पुत्रियां बिटाऊ और आशा की शादी हो चुकी है। बड़ा बेटा समर बहादुर परिवार संग दिल्ली रहता है। घर में आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने पर लल्ली देवी ने 15 बिस्वा जमीन गांव के गोविंद को गिरवी रखी थी। उसकी आर्थिक तंगी स्थिति ठीक नहीं थी। रविवार को सुबह दुर्गंध आने पर ग्रामीण घर पहुंचे तो देखा कि लल्ली देवी का शव फंदे से लटक रहा था। इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी का कहना है कि आर्थिक स्थिति खराब होने और मानसिक विक्षिप्त पुत्र के कारण आए दिन झगड़ा होता था। पोस्टमार्टम के बाद स्पष्ट होगा। पांच दिन से गांव में लल्ली देवी नहीं दिखी थी। ग्रामीणों के अनुसार, लल्ली देवी पड़ोसियों के यहां भोजन करके किसी तरह जिंदगी गुजार रही थी। करीब पांच दिन से वह गांव में नहीं दिखी थी। कांग्रेसियों ने परिजनों को आर्थिक सहायता की मांग उठाई कांग्रेस नेताओं के एक शिष्टमंडल ने गांव पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी।

मिलिट्री के ठेकेदार का शव रेल पटरी पर तीन टुकड़ों में मिला, पत्नी से विवाद के बाद निकले थे घर से

प्रयागराज। मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) के ठेकेदार राजीव मिश्र का शव शहर के शिवकुटी इलाके में रेलवे पटरी पर तीन टुकड़ों मिला था। वह कुछ घंटे पहले पत्नी और साले से विवाद के बाद अचानक घर से निकले थे। परिजन उनकी खोजबीन में जुटे थे। रात साढ़े 11 बजे उनका शव रेलवे पटरी पर मिला। भाई ने हत्या कर शव फेंकने की आशंका जताई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

शिवकुटी थाना क्षेत्र में रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे रविवार की देर रात मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) के ठेकेदार राजीव मिश्र (49) का शव तीन टुकड़ों में मिला। वह पत्नी और साले से विवाद के बाद घर से निकले थे। देर रात शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त के बाद परिजनों को जानकारी दी। ठेकेदार का शव मिलने से सनसनी फैल गई। भाई विक्रम मिश्र ने हत्या करके शव रेलवे ट्रैक पर फेंकने की आशंका जाहिर की। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सही कारणों का पता चल सकेगा।

शिवकुटी इलाके के लाला की सराय में रहने वाले राजीव मिश्र (49) पुत्र राजेंद्र मिश्र मूल रूप से बहरिया थाना क्षेत्र के सिकंदरा के रहने वाले थे। रविवार की रात साढ़े 11 बजे शिवकुटी की तरफ रेलवे ओवरब्रिज पर तीन टुकड़ों में शव देखा गया। पत्नी सविता मिश्रा और साले प्रभारी दुबे निवासी दारागंज से विवाद के बाद वह गुस्सा होकर अचानक घर से निकले थे। परिजन ढाई घंटे से उनकी खोजबीन कर रहे थे। इनके दो बच्चे आकाश मिश्र (23) और छोटू मिश्र (19) हैं। दोनों बेटे रायपुर छत्तीसगढ़ में जॉब करते हैं। एक बेटी काव्या (12) है। बताया जाता है कि पहली पत्नी की 2006 में मौत हो गई थी। इसके बाद इन्होंने 2009 में दूसरी शादी की। 20 अप्रैल को बड़े बेटे के पुत्र का मुंडन होना था। राजीव मिश्र काफी खुश थे और निमंत्रण पत्र बांट रहे थे।

अंतिम वोटर लिस्ट में आठ लाख मतदाताओं की कमी, अनुमानित आबादी के 52 फीसदी ही वोटर

प्रयागराज। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अंतिम वोटर लिस्ट में 3,29,420 नए मतदाताओं को जोड़ तो लिया गया, लेकिन इसके बाद भी तकरीबन आठ लाख नए मतदाताओं को जोड़े जाने की जरूरत है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अंतिम वोटर लिस्ट में 3,29,420 नए मतदाताओं को जोड़ तो लिया गया, लेकिन इसके बाद भी तकरीबन आठ लाख नए मतदाताओं को जोड़े जाने की जरूरत है।

ऐसे में एआईआर की प्रक्रिया भले ही पूरी हो गई हो, लेकिन वोटरों को जोड़ने का अभियान साल भर जारी रहेगा। जो लोग मतदाता बनने से वंचित रह गए हैं, वे अब भी फॉर्म–6 भरकर या ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से अपने नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं।

निर्वाचन आयोग का मानना है कि आबादी के 60 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में होने चाहिए, लेकिन प्रयागराज में अनुमानित आबादी के तकरीबन 52 फीसदी लोगों के नाम ही मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं।

एसआईआर के दौरान अगर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कटे न होते तो वोटर लिस्ट संतुलित हो सकती थी, लेकिन अनुपस्थित, शिफ्टेड, डुप्लीकेट, मृतक (एएसडी) श्रेणी में चिह्नित किए गए 11 लाख 56 हजार 305 मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटा गए गए। प्रशासनिक अभिलेखों में प्रयागराज की अनुमानित आबादी 74 लाख 46 हजार 963 है और ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या अनुमानित आबादी की 47.48 फीसदी ही रह गई।वहीं, एसआईआर से पहले 27 अक्तूबर 2025 की वोटर लिस्ट में कुल 46 लाख 92 हजार 860 मतदाता शामिल थे, जो अनुमानित आबादी का 63 फीसदी था।

बड़ी संख्या में नाम कटने के बाद अभियान चलाकर नए मतदाताओं को जोड़ा गया, लेकिन नए वोटरों की संख्या उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ सकी और 3,29,420 नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाने के बाद अंतिम वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या बढ़कर 38 लाख 65 हजार 975 तक ही पहुंची। अगर 27 अक्तूबर 2025 की वोटर लिस्ट से तुलना की जाए तो अंतिम वोटर लिस्ट में अब भी आठ लाख 26 हजार 885 मतदाताओं की कमी है, जो अनुमानित आबादी की 11.10 फीसदी है। एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से अपात्रों के नाम तो बाहर कर दिए गए हैं, लेकिन अब छूटे हुए पात्रों को वोटर लिस्ट में शामिल करना भी प्रशासन के लिए चुनौती होगी।

कपूर की खुशबू हुई महंगी, गरम मसालों और ड्राई फ्रूट्स के दाम भी आसमान पर

प्रयागराज। ईरान और अमेरिका के बीच भले ही युद्ध विराम की घोषणा हो गई है, लेकिन वैश्विक तनाव की आंच अब भी संगमनगरी के घरों तक पहुंच रही है। लंबे समय तक चली खींचतान और खाड़ी देशों में असुरक्षा के माहौल ने रोजमर्रा की जरूरत की चीजों, खासकर मसालों और सूखे मेवों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ला दी है।

ईरान और अमेरिका के बीच भले ही युद्ध विराम की घोषणा हो गई है, लेकिन वैश्विक तनाव की आंच अब भी संगमनगरी के घरों तक पहुंच रही है। लंबे समय तक चली खींचतान और खाड़ी देशों में असुरक्षा के माहौल ने रोजमर्रा की जरूरत की चीजों, खासकर मसालों और सूखे मेवों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ला दी है।

ईरान और खाड़ी देशों से होने वाली आवक प्रभावित होने से आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ गया है। बाजार में सबसे ज्यादा तेजी कपूर की कीमत में देखी जा रही है। दो माह पहले बाजार में जो कपूर 600 से 650 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर उपलब्ध था, अब उसकी कीमत 900–1200 रुपये

तक पहुंच गई है।

वहीं, कारोबारी दीपक केसरवानी के अनुसार थोक बाजार में गरम मसालों की कीमतों में 200 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। छोटी इलायची मार्च की शुरुआत में करीब 3000 रुपये प्रति किलो थी, अब 3600 रुपये पर पहुंच गई है। वहीं, बड़ी इलायची भी 2000 से बढ़कर 3000 रुपये प्रति किलो हो गई है। जावित्री 2400 से बढ़कर 2800 प्रति किलो हो गई है। वहीं लौंग 30 से 40 रुपये प्रति किलो महंगी हो गई है। काली मिर्च के दाम में 50 रुपये, जीरा के दाम में 40 रुपये, धनिया के दाम में 50 रुपये किलो की बढ़ोत्तरी हुई है। डेढ़ महीने पहले जो किशमिश 300 से 400 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, वह अब 450 रुपये के पार है। खजूर के दाम में भी 300 से 400 रुपये की भारी वृद्धि हुई है। स्थानीय किराना व्यवसायी प्रमिल केसरवानी के अनुसार, आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने और आयात में आ रहीं दिक्कतों के कारण फिलहाल कीमतों में गिरावट की कोई उम्मीद नहीं है।

एनडीए व एनए में 75 और सीडीएस परीक्षा में 68 फीसदी उपस्थिति, 21 केंद्रों पर लगाए गए जैमर

प्रयागराज। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को प्रयागराज के 12 केंद्रों पर सीडीएस और 21 केंद्रों पर एनडीए व एनए की परीक्षा आयोजित की गई। एनडीए व एनए की परीक्षा दो पालियों और सीडीएस की परीक्षा तीन पालियों में हुई। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को प्रयागराज के 12 केंद्रों पर सीडीएस और 21 केंद्रों पर एनडीए व एनए की परीक्षा आयोजित की गई। एनडीए व एनए की परीक्षा दो पालियों और सीडीएस की परीक्षा तीन पालियों में हुई। एनडीए व एनए की परीक्षा के लिए कुल 8,794 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। सुबह 10 से दोपहर 12रू30 बजे की पहली पाली की परीक्षा में 6,679 परीक्षार्थी (75.95 फीसदी) उपस्थित रहे और 2115 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। वहीं, अपराह्न दो से शाम 4रू30 बजे की दूसरी पाली में हुई परीक्षा में 6,625 परीक्षार्थी उपस्थित (75.34 फीसदी) व 2169 अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 21 केंद्रों पर कुल 210 जैमर लगाए गए थे। वहीं, सीडीएस की सुबह नौ से 11 बजे की पहली पाली की परीक्षा के लिए पंजीकृत 4406 अभ्यर्थियों में से 2801 परीक्षार्थी (63.57 फीसदी) उपस्थित व 1605 अनुपस्थित रहे। दोपहर 12.30 से 2रू30 बजे की दूसरी पाली में आयोजित परीक्षा में भी उपस्थिति 63.57 फीसदी रही। वहीं, शाम चार से छह बजे की तीसरी पाली में हुई परीक्षा के लिए पंजीकृत 2404 अभ्यर्थियों में 1399 परीक्षार्थी (58.19 फीसदी) उपस्थित व 1005 अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 12 केंद्रों पर 140 जैमर लगाए गए थे।

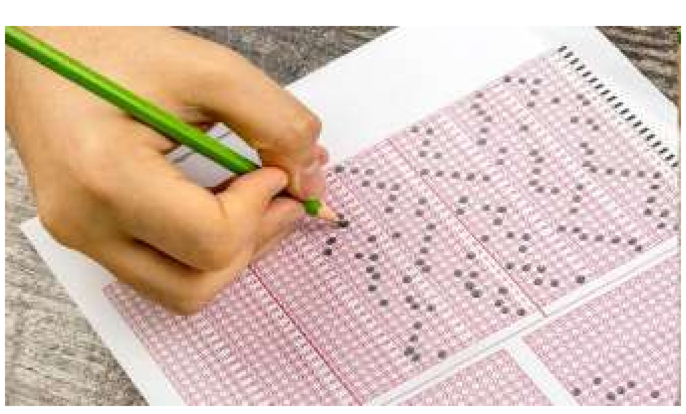

गंगा एक्सप्रेसवे का कार्य पूराः मेरठ से प्रयागराज तक जल्द दौड़ेंगे वाहन, 594 किमी दूरी चंद घंटों में पूरी

प्रयागराज। गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तय समय से पहले पूरा हो चुका है। अब इसे खोलने के लिए शासन की मंजूरी का इंतजार है। संभल जिले में 38 किमी हिस्सा भी इसके तहत आता है। एक्सप्रेसवे खुलने से दोनों शहरों की बीच चंद घंटों में आवाजाही हो सकेगी। संभल जिले में गंगा एक्सप्रेसवे का कार्य पूरा हो गया है। अब शासन की मंजूरी मिलने का इंतजार है। निर्माण कार्य कर रही संस्था ने पूरी व्यवस्थाएं दुरुस्त करा दी हैं। फिनिशिंग का कार्य भी पूरा हो चुका है। अंडरपास से लेकर टोल तक पूरी तरह तैयार हैं। यूपीडा के एक्सईएन राकेश कुमार मोगा

ने बताया कि हमारा ग्रुप एक है। मेरठ से बदायूं तक काम पूरा है। आगे भी प्रयागराज तक दो ग्रुप और काम कर रहे थे। उनका भी काम पूरा हो गया है। अब शासन से मंजूरी मिलने का इंतजार है। अप्रैल तक कार्य पूरा करने का अनुबंध था लेकिन मार्च के अंतिम सप्ताह में ही कार्य पूरा हो चुका है। यूपीडा के सीईओ भी गंगा एक्सप्रेस–वे का निरीक्षण कर जा चुके हैं। मेरठ से प्रयागराज तक जाने वाले इस 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का 38 किलोमीटर कर हिस्सा संभल जिले से होकर गुजर रहा है।

इस एक्सप्रेसवे पर दो जंक्शन बनाए गए हैं। इसमें एक जंक्शन खिरनी और दूसरा लहरावन में है। इन जंक्शन से ही वाहनों का प्रवेश और निकासी होगी। इन्हीं जंक्शन पर टोल लिया जाएगा। संभल तहसील क्षेत्र के गांव ततारपुर संदल से गंगा एक्सप्रेसवे प्रवेश कर रहा है। चंदौसी तहसील के गांव नगलिया कठेर से बदायूं जिले में उतर रहा है। इसमें संभल तहसील के 17 गांव और चंदौसी तहसील के 14 गांव शामिल हैं। जिले से होकर गुजर रहे 38 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे पर जगह–जगह लाइटें लगाई गई हैं। सुरक्षा के लिहाज से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इससे यात्रा के दौरान सुरक्षा रहेगी। संभल जिले में दो ही जंक्शन से प्रवेश और निकासी की व्यवस्था है। संभल से प्रयागराज की ओर बदायूं में जंक्शन बना है और मेरठ की ओर हसनपुर में जंक्शन बनाया गया है। जंक्शन की दूरी कुछ ही मिनट में तय हो जाएगी। इस तरह का एक्सप्रेस–वे तैयार हुआ है। गंगा एक्सप्रेसवे का एक जंक्शन खिरनी में है। इस जंक्शन के नजदीक ही औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाना है। औद्योगिक गलियारे भी यूपीडा के द्वारा ही विकसित किया जा रहा है। इसमें प्लॉट आवंटन प्रक्रिया भी चल रही है। जब औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो जाएंगी तो प्रयागराज और दिल्ली का रास्ता कम समय में ज्यादा तय हो सकेगा। इसका लाभ कारोबारियों को मिलेगा

मेरठ से बदायूं तक हमारे ग्रुप एक का काम पूरा है। बदायूं से प्रयागराज तक दो अन्य ग्रुप काम कर रहे थे। उनका भी काम पूरा हो चुका है। अब शासन से मंजूरी मिलने का इंतजार है। अप्रैल में ही शुरू होने की उम्मीद ज्यादा है। –राकेश कुमार मोगा, अधिशासी अभियंता, यूपीडा

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड : कई जिलों में दबिश, चार दिन बाद भी आरोपी पकड़ से दूर

प्रयागराज। गौसनगर स्थित बिस्मिल्लाह चौराहे के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की हत्या के मामले में चार दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। हालांकि, इनपुट के आधार पर पुलिस ने प्रतापगढ़ व कौशाम्बी के सैनी में छापे मारे पर आरोपियों का पता नहीं चला। गौसनगर स्थित बिस्मिल्लाह चौराहे के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की हत्या के मामले में चार दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। हालांकि, इनपुट के आधार पर पुलिस ने प्रतापगढ़ व कौशाम्बी के सैनी में छापे मारे पर आरोपियों का पता नहीं चला। वहीं, कई अन्य जिलों में भी पुलिस दबिश के लिए रवाना हुई है। पता चला है कि आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदलकर छिपने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस को इनपुट मिला था कि आरोपियों के रिश्तेदार व करीबी दोस्त प्रतापगढ़ व कौशाम्बी के सैनी रहते हैं। आशंका थी कि इन जगहों पर आरोपी छिपे हो सकते हैं। पुलिस की टीमों ने दोनों जगहों पर दबिश दी पर आरोपी नहीं मिले। दूसरी तरफ पकड़े गए मददगारों से पुलिस पूछताछ कर रही है। इन पर आसिफ दुर्रानी समेत अन्य आरोपियों को भागने में मदद करने का शक है।

10 साल पहले मुंबई में छिपा था आरोपी

पुलिस की जांच में पता चला कि आसिफ दुर्रानी ने करीब 10 साल पहले मुंबई में छिपने का सुरक्षित ठिकाना बनाया था, जहां वह लंबे समय तक पुलिस की नजरों से बचकर रहता रहा। ऐसे में इस बार भी पुलिस को उसके मुंबई भागने की आशंका है। पुलिस की पांच टीमें लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही हैं साथ ही सर्विलांस की मदद भी ली जा रही है।

एनडीए व एनए में 75 और सीडीएस परीक्षा में 68 फीसदी उपस्थिति, 21 केंद्रों पर लगाए गए जैमर

प्रयागराज। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को प्रयागराज के 12 केंद्रों पर सीडीएस और 21 केंद्रों पर एनडीए व एनए की परीक्षा आयोजित की गई। एनडीए व एनए की परीक्षा दो पालियों और सीडीएस की परीक्षा तीन पालियों में हुई।

संघ लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को प्रयागराज के 12 केंद्रों पर सीडीएस और 21 केंद्रों पर एनडीए व एनए की परीक्षा आयोजित की गई। एनडीए व एनए की परीक्षा दो पालियों और सीडीएस की परीक्षा तीन पालियों में हुई।

एनडीए व एनए की परीक्षा के लिए कुल 8,794 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। सुबह 10 से दोपहर 12रू30 बजे की पहली पाली की परीक्षा में 6,679 परीक्षार्थी (75.95 फीसदी) उपस्थित रहे और 2115 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। वहीं, अपराह्न दो से शाम 4रू30 बजे की दूसरी पाली में हुई परीक्षा में 6,625 परीक्षार्थी उपस्थित (75.34 फीसदी) व 2169 अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 21 केंद्रों पर कुल 210 जैमर लगाए गए थे।

वहीं, सीडीएस की सुबह नौ से 11 बजे की पहली पाली में हुई परीक्षा के लिए पंजीकृत 4406 अभ्यर्थियों में से 2801 परीक्षार्थी (63.57 फीसदी) उपस्थित व 1605 अनुपस्थित रहे। दोपहर 12. 30 से 2रू30 बजे की दूसरी पाली में आयोजित परीक्षा में भी उपस्थिति 63.57 फीसदी रही। वहीं, शाम चार से छह बजे की तीसरी पाली में हुई परीक्षा के लिए पंजीकृत 2404 अभ्यर्थियों में से 1399 परीक्षार्थी (58.19 फीसदी) उपस्थित व 1005 अनुपस्थित

संस्कार भारती, प्रतापगढ़ द्वारा स्वर साम्राज्ञी को नमन

प्रतापगढ़। भारतीय संगीत जगत की स्वर साम्राज्ञी, सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका आदरणीय आशा भोंसले जी के प्रति संस्कार भारती, प्रतापगढ़ इकाई द्वारा गहन श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया गया।

संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कहा कि आशा जी ने अपने दीर्घ और समृद्ध संगीत जीवन में जिस प्रकार भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया, वह अद्वितीय और प्रेरणादायी है। उनकी मधुर, लचीली और भावपूर्ण आवाज़ ने न केवल भारत बल्कि विश्व भर के संगीत प्रेमियों के हृदय में अमिट स्थान बनाया है। संस्कार भारती के सदस्यों ने उनके सुप्रसिद्ध गीतों को स्मरण करते हुए कहा कि–

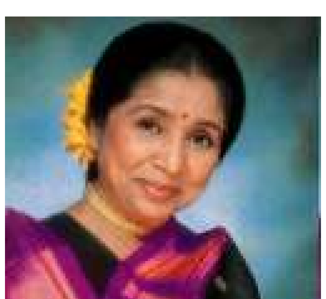

पिया तू अब तो आजा, दम मारो दम, इन आंखों की मस्ती, चुरा लिया है तुमने जो दिल को (यादों की बारात) – चुरा लिया है तुमने जो दिल को, दम मारो दम, ये मेरा दिल प्यार का दीवाना, झुमका गिरा रे, बरेली के बाज़ार में, सजना है मुझे सजना के लिए (सौदागर), आइये मेहरबाँ (हावड़ा ब्रिज), बैठिये जाने–जाँ, ओ हसीना ज़ुल्फ़ों वाली जाने जहाँ, मेरा कुछ सामान, जैसे अनेकों गीत आज भी जन–जन की जुबान पर हैं और उनकी गायकी की बहुमुखी प्रतिभा का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

वक्ताओं ने कहा कि आशा जी की संगीत साधना, समर्पण और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनका संपूर्ण जीवन भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। अंत में संस्था की ओर से उन्हें सादर नमन करते हुए कहा गया–

"शरीर भले ही नश्वर हो, लेकिन कुछ स्वर समय की सीमाओं से परे सदैव गूंजते रहते हैं। आशा जी की आवाज़ भी युगों–युगों तक संगीत प्रेमियों के हृदय में जीवित रहेगी।

इस श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर डॉ. बृजभानु सिंह, डॉ. गौरव त्रिपाठी, सुप्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार डॉ. श्याम शंकर शुक्ल श्याम, सुनील प्रभाकर, श्री नारायण शुक्ला, संजय खरे, लक्ष्मी मिश्रा, चंदन जायसवाल, शिवकुमार विश्वकर्मा एवं संस्था के महासचिव श्री अनूप उपाध्यक्ष अनुपम आदि उपस्थित थे।

पत्रकार राष्ट्र और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाएं: महामहिम संतोष गंगवार

–उपज के प्रादेशिक अधिवेशन में मथुरा जिलाध्यक्ष अतुल जिंदल किए सम्मानित

आगामी 30 मई को मथुरा में होगा प्रांतीय अधिवेशन

मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) के प्रादेशिक अधिवेशन में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पत्रकारों से राष्ट्र और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करने का आह्वान किया। वहीं प्रादेशिक अधिवेशन के दौरान उपज में सक्रिय भूमिका निभाने एवं निष्पक्ष पत्रकारिता करने के लिए मथुरा इकाई के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल को प्रमाण पत्र एवं उपज का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किए गया। दिल्ली रोड स्थित पर्यटक आवास गृह होटल राही में आयोजित अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रुहेलखंड के पत्रकारों ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आज

डिजिटल मीडिया के दौर में भी पत्रकारिता की वही मूल भावना प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज को जागरूक करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं और उन्हें जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता करनी चाहिए, जिससे समाज उन्हें लंबे समय तक याद रखे।

उन्होंने पत्रकारों की समस्याओं पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब वे श्रम मंत्री थे, तब उन्होंने पत्रकार हित से जुड़े कई कार्य किए थे। विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक मिशन और साधना है। उन्होंने कहा कि कलम की शक्ति तलवार से अधिक प्रभावी होती है, क्योंकि वह जनमत को आकार देती है और व्यवस्था को आईना दिखाती है। वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व कुलपति एवं नेशनल बुक ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष बलदेव भाई ने कहा कि ऐसे अधिवेशन संवाद, समन्वय और सामूहिक चिंतन का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों में राष्ट्र निर्माण में पत्रकारों की भूमिका को और अधिक महत्वपूर्ण बताया।

विधान परिषद सदस्य डॉ जयपाल सिंह 'व्यस्त' ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनकी निष्पक्ष लेखनी समाज की चेतना को दिशा देती है। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के राष्ट्रीय महासचिव त्रियुग नारायण तिवारी ने संस्था द्वारा पत्रकारों के हित में किए गए कार्यों की जानकारी दी। उपज के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। संचालन बाबा संजीव आकांक्षी ने किया, जबकि आभार उपज के जिलाध्यक्ष हरि प्रकाश शर्मा ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री आनंद कर्ण, जिला महामंत्री कुमार देव, डॉ. मनोज रस्तोगी, अभिषेक भारद्वाज, वीरभान सिंह, सुशील कुमार शर्मा, अभिव्यक्ति सिन्हा एवं कृति पांचाल विश्वकर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

उद्घाटन सत्र के पश्चात आम सभा एवं प्रदेश कार्यकारिणी की बैठकें अलग–अलग सत्रों में आयोजित की गईं, जिनमें पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मथुरा से विपिन अग्रवाल, दिनेश कुमार निमेष, संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

अमरनाथ गर्ल्स कालेज की छात्राओं ने किया 'मुदरिया चोरी' रासलीला का मंचन

गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी ने कार्यशाला में सिखाया रासलीला का मंचन

मथुरा। गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन (उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद) एवं अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज के मातृ सभागार में तीन माह के प्रशिक्षण उपरांत "मुदरिया चोरी" रासलीला का अत्यंत भावपूर्ण एवं भव्य मंचन किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर 01 जनवरी से 31 मार्च तक चले गीत, संगीत, नृत्य एवं अभिनय के विशेष प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। प्रशिक्षण गीता शोध संस्थान की विशेषज्ञ टीम द्वारा दिया गया, जिसके पश्चात छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन मंच पर प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के ध्यान से हुआ। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल वाजपेयी एवं कोऑर्डिनेटर मीता जी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं रासलीला के निर्देशक, गीता शोध संस्थान के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने अपने संबोधन में कहा कि ब्रज की लुप्त होती मंचीय कलाओं को उनके मूल, पवित्र एवं विशुद्ध स्वरूप में पुनर्स्थापित करना संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि आज की युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों की ओर अग्रसर हो रही है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महेंद्र प्रताप सिंह, अपर नगर आयुक्त राकेश त्यागी एवं जिला उद्योग आयुक्त रामेंद्र पाल ने छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समाजसेवी कपिल उपाध्याय ने कहा कि ब्रज संस्कृति भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इस प्रकार के आयोजन देश के उज्ज्वल भविष्य की झलक प्रस्तुत करते हैं।

कार्यक्रम का सफल संयोजन गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार एवं कॉलेज की प्रवक्ता डॉ. मांडवी राठौर द्वारा किया गया। डॉ. मांडवी राठौर ने रासलीला से पूर्व "मुदरिया चोरी" लीला एवं राधा–कृष्ण के दिव्य प्रेम का भावपूर्ण वर्णन किया।

रासलीला में तनु, विशाखा, वंशिका, महक, पायल, प्रार्थना, मोनिका, भावना, प्रगति, लक्ष्मी, प्रिया, अनुष्का, रागिनी, आकाशी, भूमिका, डोली, प्रियांशी, वर्षा, कोमल, कुमकुम एवं प्रांजल सहित अनेक छात्राओं ने प्रभावशाली अभिनय प्रस्तुत किया। संगीत पक्ष में आकाश शर्मा (हारमोनियम), सुनील एवं केशव पाठक (तबला), तथा दीनानाथ चरणदास (सारंगी) ने रासलीला को मधुर स्वरों से सजाया। नृत्य प्रशिक्षण कु. मानसी राजपूत द्वारा दिया गया, जबकि गायन, अभिनय, मेकअप एवं वेशभूषा का दायित्व श्रीमती रितु सिंह एवं डॉ. सरिता शर्मा ने निभाया। कार्यक्रम के अंत में प्रवक्ता नूतन देहर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा कलाकारों का परिचय कराया। तीन माह के प्रशिक्षण शिविर की पूर्णता पर सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर अरविंद चतुर्वेदी, महेश पांडे, एस.पी. गोस्वामी, कल्याण वर्मा, मनोज चौधरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023, भारत के लोकतंत्र का नवस्पंदन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्रांगण में दिनांक 13 अप्रैल, 2026 को आधी आबादी के हक और उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के संदर्भ में एक निर्णायक विमर्श हुआ। सीएमपी डिग्री कॉलेज में प्रातः 10 बजे से ष्नारी शक्ति वंदन अधिनियम–2023 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जागरूकताष विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और महिलाओं के सशक्तिकरण से जोड़ना है। राष्ट्रीय सेवा योजना, सीएमपी डिग्री कॉलेज के तत्वावधान में उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो० अजय प्रकाश खरे ने किया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एवं इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ० चन्दन कुमार ने ष्नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023ष की रूपरेखा से सभी को परिचित कराया एवं महिला सशक्तिकरण में इस अधिनियम को एक मील का पत्थर बताया। यह आयोजन माननीय प्रधानमंत्री के शविकसित भारत/2047श के विजन को धरातल पर उतारने की एक बड़ी कड़ी है, जिसमें नीति–निर्माण और विधायिकाओं में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व के सामाजिक, सांस्कृतिक और संस्थागत कारणों पर गंभीर चिंतन किया गया।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के मेधावी छात्र छात्राएं न केवल पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी पर संवाद किया, बल्कि पैनल चर्चा, निबंध, वाद–विवाद और प्रजेंटेशन के माध्यम से अपनी मौलिक सोच को भी प्रस्तुत किया। इस अधिनियम से जुड़े जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत छात्र–छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त कार्यक्रम अधिकारियों के द्वारा एक रैली का भी आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में भाग लेने वाले उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र से नवाजा गया और उनके द्वारा तैयार किए गए शोधपरक सुझावों व गतिविधियों के विवरण को सीधे राज्य स्तर पर शासन को प्रेषित किया गया। आयोजन के समापन पर संस्थान एक सामूहिक संकल्प पत्र पारित किया गया, जो नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस आयोजन का संचालन डॉ० राम चिरंजीवी ने किया। कार्यक्रम के दौरान होने वाले विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में डॉ० सपना मौर्या, डॉ० पूजा गौड़, डॉ० प्रमोद शर्मा, डॉ० राजेश कुमार यादव, डॉ० यशवंत कुमार एवं डॉ० पूर्णेन्दु मिश्र रहे। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के कई विभागों के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। धन्यवाद ज्ञापन डॉ० राजेश कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के छात्र नई दिल्ली में सम्मानित

नई दिल्ली। एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज (एएसआरएचएमसी) के तीन छात्र शोधकर्ताओं को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित विश्व होम्योपैथी दिवस 2026 समारोह के दौरान प्रतिष्ठित प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। यह राज्य के चिकित्सा अनुसंधान समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) और राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान (एनआईएच) के सहयोग से केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) द्वारा 10 और 11 अप्रैल को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम, 'भारतीय होम्योपैथीः पारंपरिक ज्ञान को मूर्त विज्ञान में परिवर्तन' विषय पर केंद्रित था। होम्योपैथी में शॉर्ट टर्म स्टूडेंटशिप (एसटीएसएच) कार्यक्रम के तहत पूरे भारत से चुने गए 53 छात्रों में से, एएसआरएचएमसी के तीन छात्र शोधकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सीसीआरएच द्वारा एसटीएसएच पहल को स्नातक छात्रों के बीच अनुसंधान–उन्मुख मानसिकता विकसित करने, बिरादरी के भीतर साक्ष्य–आधारित अभ्यास को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। समापन समारोह के दौरान सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव और विभागाध्यक्ष सुश्री अलरमेलमंगई डी. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में, उन्होंने होम्योपैथी की वैज्ञानिक नींव की प्रशंसा की और इसके वैश्विक विकास का समर्थन करने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस आयोजन में क्षेत्र के उच्चतम स्तरों से भागीदारी देखी गई, जिनमें शामिल हैंरू डॉ. सुभाष कौशिक, (महानिदेशक, सीसीआरएच), डॉ. तारकेश्वर जैन, (अध्यक्ष, एनसीएच),डॉ. संजय गुप्ता, (सचिव, एनसीएच),डॉ. प्रलय शर्मा, (निदेशक, एनआईएच)। डॉ. सुभाष कौशिक ने पारंपरिक अभ्यास और आधुनिक विज्ञान के बीच अंतर को पाटने के लिए परिषद के प्रयासों पर जोर दिया, जबकि डॉ. तारकेश्वर जैन ने कहा कि विचार–विमर्श ने भविष्य की शैक्षणिक और नैदानिक घ्उत्कृष्टता के लिए एक उपयोगी रोडमैप प्रदान किया। एएसआरएचएमसी के प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने एक प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया और छात्रों की उपलब्धियों पर अत्यधिक गर्व व्यक्त किया। डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने कहा, षविज्ञान भवन में विश्व होम्योपैथी दिवस 2026 जैसे राष्ट्रीय मंच पर यह मान्यता न केवल चिकित्सकों, बल्कि युवा वैज्ञानिकों को तैयार करने के लिए एएसआरएचएमसी के समर्पण को रेखांकित करती है। ष्यह उपलब्धि होम्योपैथी को एक मूर्त और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त विज्ञान बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन की 271वीं जयंती के अवसर पर विश्व होम्योपैथी दिवस 2026 विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में होम्योपैथिक पेशे के वैज्ञानिक स्वभाव को मजबूत करने के लिए देश भर से चिकित्सक, शिक्षाविद और छात्र एक साथ आए।

ज़मीं पर रहने वाले

(छप्पय)

संबंधों की भोर गाँव में हँसती गाती।
मर्यादा की छाँव बनी यह सबको भाती।
खेत और खलिहान मकाँ मिट्टी के सारे।
कोमलता के साथ जिंदगी सदा सँवारे।
इक दूजे का ध्यान रख सुनते सबकी बात को।
दुख के साथी सब बने बाँट रहे सौगात को।

मिट्टी से कर प्रेम ज़मीं पर रहने वाले।
सबको देकर मान हमेशा भरें उजाले।
देवतुल्य ये लोग ग्रामवासी कहलाते।
भूखों का भर पेट बाद में खुद हैं खाते।
पशु–पक्षी के साथ में, दोस्ताना अन्दाज़ में।
बातें करते हैं सदा उनके ही आवाज़ में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

संत श्री राधेश्याम महाराज के तिरोभाव महोत्सव पर निकाली शोभायात्रा

समाज की दिशा और दशा सुधारने को अवतार लेते हैं महापुरुष रू स्वामी पूर्णानंदपुरी जी महाराज

अलीगढ़। गत वर्षों की भांति इस बार भी नित्यलीलालीन श्री श्री 1008 बाबा राधेश्यामदास जी महाराज (बंगाली बाबा) के तिरोभाव महोत्सव पर परम पूज्य श्री वासुदेवशरण जी महाराज (विरही जी महाराज) के कृपा पात्र नित्य संकीर्तन लीन श्री चक्रघर प्रसाद शास्त्री जी महाराज की कृपा से श्री श्री 108 वैष्णवाचार्यों की अध्यक्षता में सत्संन हरिनाम संकीर्तन समारोह का आयोजन आरंभ हो चुका है जिसमें देश के विभिन्न स्थानों से संतों का आगमन एवं प्रवचन के माध्यम से भक्ति की रसधार बहाई जाएगी।

संकीर्तन एवं संत सम्मेलन महोत्सव के पहले दिन रविवार को प्रातः कालीन बेला में कार्यक्रम संयोजक श्री ओमप्रकाश पंडित जी द्वारा जयगंज स्थित मंदिर श्री बद्रीनारायण से विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसका शहर के प्रमुख संत पूज्य

स्वामी श्री पूर्णानंदपुरी जी महाराज ने हरिनाम संकीर्तन के साथ शुभारंभ करवाया। सर पर कलश लेकर वैष्णव भक्तों के विशाल जन समूह द्वारा जगह जगह प्रसाद व्यवस्था का लाभ लिया। यह कलश यात्रा विभिन्न रास्तों का अनुसरण करते हुए अचल सरोवर स्थित मंदिर श्री गौर राधा गोविन्द तक निकाली गयी।

मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं की भीड़ को सम्बोधित करते हुए स्वामी श्री पूर्णानंदपुरी जी महाराज ने बताया कि आदि कालीन सनातन धर्म जब जब त्रुटियों एवं विकारों ने उपज बनाई, तब तब इन त्रुटियों को दूर करने के लिए महापुरुषों ने अवतार लेकर धर्म ध्वज की पुनः स्थापना कर समाज का मार्गदर्शन किया इसी क्रम में विश्व विख्यात वैष्णव संत पूज्य स्वामी श्री राधेश्यामदास जी महाराज ने अपने तप के बल पर और विचारों के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि भक्ति में लीन होकर संतों ने स्वयं के जीवन को हमेशा परोपकार में समर्पित किया। कार्यक्रम की रुपरेखा के विषय में जानकारी देते हुए पंडित ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि 27 अप्रैल तक चलने वाले इस आयोजन में संत प्रवचन किये जाएंगे जिसमें मुख्यतः श्री श्री 108 स्वामी श्री पूर्णानन्दपुरी जी महाराज (अलीगढ़) श्री श्री 108 केशव देव जी गोस्वामी (वृन्दावन)श्री श्री 108 कार्णि विश्व चौतन्य महाराज (मथुरा),पूज्य श्री पं. महेश चन्द्र व्यास जी (नगर व्यास, अलीगढ़) श्री श्री 108 हरे कृष्ण दास जी महाराज (कोटा) आदि संतों का आशीर्वाद एवं दर्शन तथा प्रवचन किये जाएंगे। पहले दिन शोभायात्रा में आचार्य गौरव शास्त्री,सोनू गोस्वामी उर्मिला अरोरा,श्री विजप माहेश्वरी सहित अनेको भक्त उपस्थित रहे।

आरटीई की वेबसाइट न खुलने से लाभार्थी और विद्यालय दोनों परेशान–विभाग मौन

लखनऊ, संवाददाता। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा के अधिकार अधिनियम–2009 के तहत दुर्बल आय वर्ग व अलाभित समूह के तीन से चौदह वर्ष आयु के बच्चों को निजी विद्यालयों में पच्चीसस प्रतिशत सीटे आरक्षित रखनी होती है। आरटीई प्रवेश की प्रक्रिया ऑनलाइन होती है। नियमानुसार शहरी क्षेत्रों में जिस वार्ड में निवास हो उसी वार्ड में स्थित निजी विद्यालयों को चुनकर आवेदन किया जाता है। प्रक्रिया पूरी करने के निए अभिभावक को बच्चे का जन्म प्रमाण–पत्र, आधार कार्उ, निवास प्रमाण–पत्र व अभिभावक की आय का प्रमाण–पत्र, बीपीएल राशन कार्उ अपलोड करना होता है। इसके पश्चात विभाग सभी प्रपत्रों की जांच व भौतिक सत्यापन कता है। तत्पश्चात आवेदित नामों की लाटरी निकाली जाती है। लाटरी में चयनित लाभार्थी को सूचना दी जाती है। साथ ही लाभार्थी उसी का प्रिंट आउट लेकर चयनित विद्यालय में निःशुल्क प्रवेश के लिये जाता है। आवेदन से लेकर लाटरी के चयन व प्रिंट आउट तक की सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होती है। जिसे सभी देख सकते है। परन्तु इस बार प्रवेश सत्र 2026.27 में पहली लिस्ट से ही आरटीई की वेव साइट ूण्तजम25ण्नचेकबण्हवअण्पद नहीं खुली है। बस इसका होम पेज ही खुल पाता है। बाकी जानकारी के लिए बस साइट थोड़ी देर में खुलेगी का मैसेज चमकता है। महीनों के बाद भी ये ठीक नही हो पायी है। अभिभावक लाटरी में चयन का प्रिंट आउट लेकर आता है। उसमें आधी अधूरी जानकारी होती है।

नोएडा श्रमिक हिंसा पर सपा–कांग्रेस का बीजेपी पर तीखा हमला

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने सोमवार को नोएडा में वेतन वृद्धि को लेकर श्रमिकों द्वारा किये गये हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी आलोचना की है। सपा के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को नोएडा में वेतन वृद्धि को लेकर श्रमिकों द्वारा किये गये हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की एकतरफा नीति को जिम्मेदार ठहराया।

सम्पादकीय.......

समता की आस्था

यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी, जिसे ज्ञान की सदी भी कहा जाता है, में किसी व्यक्ति के धार्मिक स्थल विशेष जाने पर वर्ग या लिंगभेद के आधार पर रोक लगे। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है। इस प्रसंग में पीठ की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। किसी को रोका जाना हिंदू धर्म के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। दूसरे शब्दों में इसका धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। निश्चित रूप से देशकाल व परिस्थितियों के अनुसार देश के कानून व संविधान में भी परिवर्तन किए गए हैं। ऐसा में आस्था स्थलों से जुड़ी मान्यताओं व परंपराओं पर भी तर्कशील ढंग से विचार किया जाना जरूरी है। यह किसी भी समाज में समतामूलक सोच के विस्तार के लिये अपरिहार्य शर्त होनी चाहिए। इस दिशा में उदार सोच समय की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि हमारे धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक दृष्टि को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक होने का मतलब है ममता–समता और लोककल्याण से जुड़ी व्यापक दृष्टि का होना। श्रद्धालु किसी भी धार्मिक स्थल में मन की शांति और सुकून के लिये जाते हैं। इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि पूजा पद्धति व धार्मिक स्थल में प्रवेश रोकने पर हमारे आराध्य प्रसन्न होंगे। पौराणिक प्रसंगों में ऐसे उदाहरण नहीं मिलते हैं जब धरती पर अवतार लेने वाले देवताओं ने किसी वंचित समाज के व्यक्ति और महिलाओं को लेकर किसी तरह के भेदभाव को प्रश्रय दिया हो। छोटा–बड़ा, अमीर–गरीब व महिला व पुरुष का भेद कभी उनके कालखंड में सामने नहीं आया। इसके बावजूद देशकाल परिस्थितियों में तथा तार्किकता के अभाव में यदि किसी तरह भेदभाव कतिपय कारणों से सामने आया भी हो, तो वक्त का तकाजा यही है कि उन्हें समय के अनुकूल ढाला जाए। आस्था के नजरिये से बात करें तो भी ईश्वर ने अपनी किसी भी रचना को लेकर कभी किसी तरह का भेदभाव नहीं किया। तो फिर उसके रचे इंसानों को किसी तरह के भेदभाव की अनुमति कैसे दी जा सकती थी। बहुत संभव है कि किसी समय में शुचिता को लेकर परंपरागत सोच रही हो। लेकिन आज विज्ञान ने कई प्राचीन धारणाओं व रूढ़ियों को बदलकर नई दृष्टि दी है। चंद्रमा हजारों साल से मानवीय आस्था का प्रतीक रहा है। हिंदू, मुस्लिम व अन्य धर्म किसी न किसी रूप में चंद्रमा को गहन आस्था के केंद्र के रूप में देखते रहे हैं। 19वीं सदी में कौन सोच सकता है कि तमाम धर्मों में पूज्य चांद पर कभी इंसान भी कदम रख सकता है। लेकिन आज यह हकीकत है कि भारत समेत कई विकसित देशों के मिशन चंद्रमा की सतह पर उतरे हैं। बहरहाल, ऐसे में उस धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता को लेकर सवाल खड़े हो सकते हैं, जो व्यक्ति, वर्ग, संप्रदाय व लिंग के आधार पर किसी भी तरह का भेद करता हो। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि ऐसे निर्णयों का धर्म पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

अहम् भाव नहीं, अहोभाव का व्यक्ति हूं

ओम प्रकाश गासो

बरनाला को पंजाब के साहित्य का मक्का कहा जाता है। आजादी से पहले यह स्वतंत्रता आंदोलन का अगुवा था। स्वतंत्रता सेनानी सेवा सिंह टिकरीवाल के प्रयासों से यहां ऐतिहासिक प्रजा मंडल लहर की शुरुआत हुई। यह संयुक्त कल्चर यानी पंजाबियत से संदेश पूरे पंजाब में जाता रहा है। उसी बरनाला में जीवन के दसवें दशक में मुखर चेतना के साथ सृजन में लगे ओम प्रकाश गासो। 9 अप्रैल को 94वें जन्मदिन पर उनकी 74वीं पुस्तक साहित्य प्रेमियों,पाठकों व शुभचिंतकों तक पहुंची है। इस मौके पर बरनाला पहुंचकर अरुण नैथानी ने उनकी सृजन यात्रा को लेकर लंबी बातचीत की

दसवें दशक में भी लगातार सजग–सचेतन सृजन यात्रा जारी रहने के मायने पूछे जाने पर वे बताते हैं कि मैं जीवन को एक क्रियाशील धारा समझता रहा हूं। क्रियाशीलता जो होती है, वो हृदय की भावना से पैदा होती है। मैं अपने जीवन में बहुत चला हूं। सदैव मानवीय संवेदना से परिपूर्ण रहा। बचपन में कुछ बिखरा हुआ था। घर वाले भी अपने जैसे नहीं थे। कह सकते हैं एक त्याज (त्याज्य) वस्तु की तरह जीवन बिता रहा था। धीरे–धीरे प्रकृति से प्रेम बढ़ता चला गया। मैं अकसर खेत–खलिहानों में जाता रहा। वहां से जीवन की वास्तविक शिक्षा मिलती थी। जीवन मेरे लिए कला है। जीवन एक उपनिषद् है। यह एक बड़ी भावना है। ये सारी की सारी वस्तुएं जीवन का प्रिय अंग बनती गयीं। उसी कोमलता से, उसी आकर्षण से लिखता रहा। कालांतर, वही जीवन का आधार भी बना। मेरा मन जो है संतप्त नहीं, वह प्रसन्न है। मेरा मन अगाध श्रद्धा में जीता है। अब मैं बिखरा हुआ व्यक्ति नहीं हूं। मैं कभी टूटा भी नहीं। विश्वास से जीता हूं। ये विश्वास ही मेरी मानसिक शक्ति है। मेरा ध्यान ही मेरा ज्ञान है। तपस्या की तरह, तप जैसा जीवन जीने में विश्वास रहा है। इसी सृजन प्रक्रिया से लिखता रहा हूं। खासकर उपन्यास लिखता रहा हूं। एक बात कहूं तो वर्ष 1947 में देश का दुखद विभाजन हुआ। तब मैं छठी कक्षा में पढ़ रहा था। सारी दग्ध घटनाएं मन–मष्तिष्क पर गहरे से अंकित होती रही। कमोबेश मैं धूमल जैसी स्थिति में था। जैसे–तैसे धूमिल स्थिति से बाहर निकला। प्रथम नॉवेल 'लंबू लाटा' लिखा था। निस्संदेह, उसी भयावह समय ने सृजनकार बनाने को प्रेरित किया। हां, ये प्रेरणा की बात है। प्रेरणा मनुष्य को उद्वेलित करती है। मनुष्य के मन में उद्गार पैदा होते रहते हैं। धीरे–धीरे समाज को समझता रहा। मेरी समाज से मैत्री बनती गई। उससे पठनीय रचनाएं पैदा हुई। समाज को एकाग्र भाव से देखता हूं। निरंतर समाज का अध्ययन करता हूं। अंततरू वह अध्ययन ही मेरे लिए विद्या बन जाती है। मेरे लिए पाठ बन जाता है। देखिए, अनुभूति और अध्ययन मेरे जीवन का अखंड हिस्सा रहे हैं। मैं अध्ययन करता रहा हूं। जिससे समय व समाज मेरे लिये एक बहुत बड़ी धरोहर बन गए। कह सकते हैं वरदान बन गए। मां–पिता कोई सुखद स्मृति नहीं है। उनके लिये मैं 'त्याज' था। मेरे लिए घर में कोई स्वीकार्य स्थान नहीं था। यूं समझिए मेरे लिए आकाश, धरती ,पानी, हवा, फूल व धरा, ये सब के सब जीवन का प्रिय भाग बनते रहे। उनकी भूमिका जो थी, आगे ले जाती रही। आगे लिखाती रही। निश्चित रूप से बचपन की टीस, उपेक्षा व संवेदनशीलता ही सृजनकार व्यक्ति को गढ़ती है। यह प्रश्न सूक्ष्मधारा का है। आत्मा आत्मीय है। मैं दिशाबोध और आत्मबोध का व्यक्ति हूं। सांस्कृतिक व्यक्ति हूं। मैं दार्शनिक व्यक्ति भी हूं। न जान ये सारी बातें मुझे प्रकृति ने, आकाश ने, समाज ने क्यों दे दी। कालांतर ये गुण जीवन का प्रिय अंग बन गए। मैं इनका लाभ लेता रहा। ये सारी बातें मेरे जीवन में सहयोगी रहीं। देखिए आपका प्रश्न आकृति व प्रकृति से संबंध रखता है। मनुष्य का आकार है। मनुष्य के संस्कार हैं। सरोकार होता है। कहां से पैदा होते हैं, इनका कारण परिवार ही नहीं है। व्यक्ति का स्वतंत्र स्वरूप भी होता है। बचपन में मेरे घर वाले मुझसे जजमानी यानी 'पुरोहित' कराना चाहते थे। संस्कृत का अध्ययन भी किया। साधु–संन्यासियों के संपर्क में रहा। लघु कौमदी कठंस्थ करता रहा। वहां कोई सफलता नहीं मिली। सफलता के द्वंद्व के बीच में तुलनात्मक सफलता की ओर बढ़ा। शुभ व अशुभ दो बातें हैं। मेरा सारा का सारा जीवन शुभ है। प्रिय है। पवित्र है। सुगमता है। मेरी जीवन यात्रा बहुत कठिन, निर्मम व कठोर रही है। उसमें अकेला चलता रहा। समय के साथ चलता रहा। सूरज की किरणें मेरे साथ रहीं। प्रकाश व अंधेरे का विचार करता रहा। प्रकाश जीवन में प्रवेश करता रहा। आजकल भी सृजनात्मक दृष्टि वाला व्यक्ति हूं। सृजनात्मक दृष्टि बलशाली व प्रभाव वाली होती है। ये घोषणा होती है।

उससे प्रभावित होता हूं। निस्संदेह, उपन्यास मेरी प्रिय विधा रही है। पंजाबी में 21 उपन्यास लिखे, इसके मूल में पंजाब की आंचलिकता ही है जो मेरी मातृभाषा भी है।

पूर्वाशा हिंदी अकादमी, जोरहाट का नवम स्थापना दिवस

जोरहाट। पूर्वाशा हिंदी अकादमी, जोरहाट का नवम स्थापना दिवस दिनांक 12/4/26 को होटल क्लबवे ग्रैंड में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जेबी यूनिवर्सिटी के डीन डा. सुरोजित शर्मा जी, विशिष्ट अतिथि ओएनजीसी के आदरणीय संत जी, अकादमी की संस्थापक अध्यक्ष रूनू बरुवा जी, संस्थापक सचिव जयश्री शर्मा और संस्थापक कोषाध्यक्ष जिमी मोदी के आसन ग्रहण करने के साथ हुआ जिन्हें अकादमी के नवीनतम आजीवन सदस्य आयुष्मान बरुवा द्वारा मंच पर आमंत्रित किया गया।

दीप प्रज्वलन के पश्चात् वंदना मिश्रा द्वारा गणेश वंदना तथा ज्योमी बरुवा हजारिका द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। सभी उपस्थित सदस्यों व अतिथियों द्वारा स्वयं का परिचय देने के पश्चात् अध्यक्ष रूनू बरूवा जी ने सभी उपस्थित विद्वतजनों का स्वागत करते हुए अपने स्वागत भाषण में अकादमी के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य की परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी, जिसमें पूरे राज्य स्तर पर हिंदीतर भाषी छात्रों के बीच बाल साहित्य प्रतियोगिता कराने का निर्णय प्रमुख है। हमारे वरिष्ठ संरक्षक एनसी करनानी जी और श्रीप्रकाश बरूवा जी ने सभा को संबोधित करते हुए अकादमी के कार्यों की सराहना की।

तत्पश्चात जोरहाट के बाहर से आए हुए अतिथियों को फुलाम गामोछा पहना कर उनका सम्मान किया गया। उज्जैन के चुन्नीलाल परमार जी, विश्वनाथ चारिअली के संतोष महतो जी, सईदा अनवर खातून जी, मनीषा पाल एवं मौसम जी तथा सिलचर की डोली शाह जी, तिनसुकिया की सुधा केजरीवाल जी और ओएनजीसी से अवकाश प्राप्त जयाश्री सैकिया जी ने पूर्वाशा अकादमी को बधाई देते हुए अपने–अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये।

इसके पश्चात् सचिव जयश्री शर्मा द्वारा सचिव की रिपोर्ट तथा कोषाध्यक्ष जिमी मोदी द्वारा गत वर्ष के आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

नीलाक्षी जी द्वारा विशिष्ट अतिथि का परिचय प्रस्तुत करने के पश्चात् विशिष्ट अतिथि संत जी द्वारा सभा को संबोधित किया गया। उन्होंने अकादमी के कार्यों की सराहना करते हुए पदाधिकारियों की तपस्या की सराहना की और सभी सदस्यों को सहयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा हिंदी भाषा जिस तरह लिखी जाती है इस तरह बोली भी जाती है जैसे केमेस्ट्री चेमेस्ट्री नहीं होती। यह हमारी धरोहर है और सभी लोगों को जोड़ने वाली कड़ी का काम करती है।

प्रेम गुप्ता जी द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय पढ़ने के पश्चात् मुख्य अतिथि डा०. सुरोजीत शर्मा जी ने अपने संबोधन में अकादमी को बधाई देते हुए कहा कि विभिन्न भाषाओं, लोगों व संस्कृतियों के बीच हिंदी भाषा सेतु का कार्य करती है।

तत्पश्चात् पूर्वाशा की विभिन्न शाखोंओं को सम्मान पत्र तथा उत्तम कार्य हेतु मेमोंटो प्रदान किये गये।

प्रथम स्थान –जोरहाट शाखा
द्वितीय स्थान – तिनसुकिया शाखा
तृतीय स्थान – शिवसागर शाखा
को प्रदान किया गया।

अकादमी के सदस्यों की रचनाओं से सुसज्जित दूसरे साझा संकलन श्कही अनकहीश के बारे में ज्योति अग्रवाल जी द्वारा दो शब्द बोलने के पश्चात् इसका विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। प्रत्येक रचनाकार को पुस्तक की दो प्रतियां और सम्मान पत्र प्रदान किए गए।

इसके बाद जिमी मोदी द्वारा दो शब्द कहने के पश्चात् आजीवन सदस्यों की रचनाओं से सुसज्जित पूर्वाशा पत्रिका के नवम अंक का विमोचन विशिष्ट अतिथि द्वारा किया गया और उपस्थित सभी लोगों को पत्रिका की एक–एक प्रति प्रदान की गई।

तत्पश्चात रूनू बरूवा जी की नवीनतम पुस्तक श्क्षण में क्षणिकाश का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया और उन्होंने पुस्तक की खूबसूरत समीक्षा भी प्रस्तुत की।

सचिव जयश्री शर्मा द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करने के पश्चात् राष्ट्रीय गान गाया गया और उसके बाद सभा की समाप्ति की घोषणा की गई और केक काटा गया।

दोपहर के भोजन के बाद काव्य गोष्ठी आरंभ हुई जिसका संचालन उपाध्यक्ष ममता गिनोड़िया जी द्वारा किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों व अतिथियों द्वारा काव्य पाठ किया गया। शाम की चाय के पश्चात् इस भव्य कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

सीमा वर्णिका की कलम से

कुचक्र

एक पत्नी की बुद्धिमत्ता, धैर्य व चतुराई पति को बड़े से बड़े कुचक्र से निकाल सकती है यह सिद्ध हो गया था हालांकि पुरुष प्रधान समाज इसे प्रत्यक्ष रूप से स्वीकार करे या न करे।

बात लगभग तीन साल पहले की है। रीना के पति राहुल की ऑफिस की एक सहकर्मी संजना के साथ मित्रता बढ़ गयी थी। असल में संजना का नाम पहले भी ऐसे ही मसलों में चर्चित रहा था। राहुल एक अच्छा इंसान था स्वभाव से भावुक।

भावुकता यदि सतर्कता से न सम्भाली जाए तो उस इंसान को कोई भी भावनात्मक रूप से मूर्ख बना सकता है। यही राहुल के साथ हुआ। संजना को अपने रूप रंग व्यक्तित्व पर बेहद घमंड था उसे लगता था कोई शख़्स उससे प्रभावित हुए बिन नहीं रह सकता। यही वजह थी कि उसने तिकड़म से ऑफिस के सबसे ईमानदार व सशक्त व्यक्तित्व वाले इंसान को चंगुल में फँसाया था।

राहुल से वह उसी के हिसाब से बात करती थी अपने को बात बात पर बेहतर सिद्ध करती थी और जब यह बात उसकी पत्नी रीना को पता चला तो संजना ने उल्टे उसे चुनौती दे दी कि वह अपने पति को देखे ..उसको रोके..क्योंकि वह उसके चक्कर में रहता है।

रीना अपने पति को बहुत अच्छी तरह जानती थी उसे मालूम था कि वह एक अच्छा इंसान है जिसकी कोमल भावनाओं से संजना खेल रही है। वैसे भी नौकरी चाकरी में रोज की मुलाकातें, बातें व साथ में काम करना एक जुड़ाव पैदा कर देता है। इंसान का दूसरा परिवार कार्यालय बन जाता है। यह सब बहुत स्वाभाविक है। कुछ लोग उसी की आड़ में रिश्ते भी बना लेते। काम–काज की बातों के साथ निजी जीवन की बातें, योजनाएँ, घटनाएँ तथा समस्याएँ भी साझा होने लगतीं। एक दूसरे से सलाह मशवरा लिया दिया जाने लगता। उसके फलस्वरूप घर में रहने वाली पत्नी की उपयोगिता धीरे–धीरे शून्य हो जाती है। वह एक साधारण घरेलू महिला भर बन के रह जाती है जिसकी अहमियत नगण्य होती है जिसका दायित्व मात्र घर गृहस्थी तक सीमित हो जाता और दूसरी तरफ पति पत्नी के मध्य बातें व विषय शेष नहीं बचते जिन पर विचार विमर्श करने में साथ थोड़ा वक़्त व्यतीत हो। यदि कभी कोई बात छिड़ी भी तो परिणाम तनाव कहासुनी बस यही होता है शायद इस रिक्ततावश रिश्तों में बर्दाश्त बचती ही नहीं है और एक कही अनकही नाराज़गी बनी रहती।

संजना को जबसे पता चल गया था कि रीना को उसकी निकटता पसंद नहीं है। वह रीना को अक्सर राहुल के मैसेज ,फोटोज आदि भेज कर चिढ़ाती। यहाँ तक कि सरकार द्वारा लॉकडाउन में लागू की गयी व्यवस्था में कर्मचारियों के ड्यूटी चार्ट को भी भेज कर सिद्ध करने की कोशिशें कीं उसने। दिखाती थी टर्न न होने पर भी संजना के टर्न पर राहुल ऑफिस में उसकी वजह से आता है। संजना ने अपने फोन में एक सेटिंग लगा रखी थी कि जिससे मैसेज एक बार पढ़ते ही डिलीट हो जाता था। रीना चाह कर भी सेव नहीं कर पाती।

रीना राहुल से कभी भी कोई बात पूछना चाहती तो बस नाम सुनते ही राहुल भड़क उठता। कहना सुनना होता उसके बाद वही तनाव और दो चार दिन का अनबोला चलता। बस वही ढाक के तीन पात।

रीना का दिमाग निरंतर इस गुत्थी को सुलझाने में लगा रहता। तभी ईश्वर की कृपा से एक मौक़ा हाथ लग गया।

राहुल का कई बार स्थानांतरण हुआ पर वह कभी गया नहीं। उसके पीछे तमाम कारण थे। इस बार जब राहुल के स्थानांतरण के आदेश आये तो रीना ने पूरा जोर लगा कर राहुल को स्थानांतरण के लिए राजी कर लिया।

राहुल अनमना सा दूसरे शहर चला गया वहाँ उसने कार्यभार सम्भाल लिया। इस नये पद व स्थान पर दिक्कतें तो थीं। नया शहर, परिवार से दूरी, नये दायित्व तथा बढ़ती जिम्मेदारियों के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न बहुत हद तक असहनीय था। अब वह बहुत तनाव में रहने लगा था। हालांकि

रीना सब समझ रही थी पर कुछ भी आसान कहाँ होता। जब राहुल ज्यादा परेशान हो उठता तो गाहे बगाहे रीना के सिर पर ठिकरा फोड़ता। रीना दोषारोपण से विचलित तो होती पर मन में राहत रहती।

धीरे–धीरे संजना से सम्पर्क कम हो गया था कभी कभार मौके बेमौके की बातचीत या मैसेज का आदान– प्रदान अभी भी चल रहा था। तभी एक घटना ने सबके मन को हिला दिया। संजना के साथ पूर्व में जुड़े एक अन्य सहकर्मी कबीर के साथ ऐसा कुछ घट गया जो किसी के लिए भी अच्छा नहीं था। बाहरी रिश्ते जब सीमाएँ लाँघ कर व्यक्तिगत जीवन में प्रवेश करें और अपना घर बना लें तो उनसे शीघ्र अति शीघ्र विरत हो जाने में ही भलाई होती है। और ऐसा न कर पाने के कारण कबीर का परिवार बिखर गया। बच्चों का जीवन दाँव पर लग गया। पति–पत्नी कानूनन अलग हो गए। इस पर संजना तो साफ साफ मुकर गयी और ठीकरा फोड़ दिया उसकी बेचारी पत्नी पर। भला कौन अपना बसा बसाया घर स्वयं तोड़ेगा। कीचड़ में जाने पर छींटें आना लाजिमी थीं। फ़िलहाल एक परिवार समाप्त सा हो गया।

रीना ने ठंडी साँस ली भले ही उसे कोई दोषी ठहराए लेकिन उसने समय रहते अपना घर परिवार बचा लिया था। कभी–कभी कीचड़ साफ करने से अच्छा बच कर निकलना होता है।

–सीमा वर्णिका,
कानपुर

सपनों की दुनिया जहां हर पल है जादुई

डिज्नीलैंड

डिज्नीलैंड दुनिया के सबसे प्रसिद्ध और रोमांचक थीम पार्क्स में से एक है, जहां हर उम्र के लोग अद्भुत अनुभवों का आनंद ले सकते हैं। कैलिफोर्निया से लेकर फ्लोरिडा, पेरिस, टोक्यो, और हांगकांग तक फैले डिज्नीलैंड के पार्क्स में जादुई राइड्स, डिज्नी कैरेक्टर्स और रोमांचक शो सभी को एक नई दुनिया का अनुभव कराते हैं। यहां हर दिन मजे, मस्ती और यादगार पल बिताने के लिए परफेक्ट है। पूरी मौज, मस्ती और मनोरंजन की निराली दुनिया की राजधानी कहां है? सही पहचानाकृहै तो अमेरिका में ही। अमेरिका में एक नहीं, दो–दो डिज्नीलैंड हैं। पूरे के पूरे मौज–मस्ती से लबालब शहर कह सकते हैं। पहला डिज्नीलैंड कैलिफोर्निया में जुलाई, 1955 में चालू हुआ था और दूसरा 1971 में उत्तरी अमेरिका की फ्लोरिडा स्टेट में अक्तूबर, 1971 में। खूब विशाल एंटरटेनमेंट का थीम पार्क हैकृ3000 एकड़ में फैला। तब से अब तक हांगकांग, पेरिस (फ्रांस), टोक्यो (जापान), शंघाई (चीन) समेत कई देशों में फुल फन के एक से एक ऑफर पेश किए हैं। अमेरिका का डिज्नीलैंड हो या पेरिस का, सबका पूरा का पूरा माहौल ही मजे, मौज और मस्ती पर टिका है। हर ओर हंसी–खुशी और ऐसे–ऐसे खेल–राइड्स कि बच्चे और बड़े सभी बस घंटों खो जाए। एक के साथ दूसरा और दूसरे के साथ तीसरा थीम पार्क जुड़ा है। तमाम आकर्षणों को दो जोन्स में बांटा गया हैकृ जोन–ए में हैकृमैजिक किंगडम, एमजीएम स्टूडियो, एपकोट, एनिमल किंगडम, प्लेयर लैगून, वॉटर मेनिया, मेडिविअल टाइम्स और अरेबियन नाइट्स। उधर जोन–बी में हैंकृयूनिवर्सल स्टूडियो, सी–वर्ल्ड, वन–एन–वाइल्ड, डिस्कवरी कोव वगैरह।

गर्मियां शुरू हैं, सो पहले सी–वर्ल्ड का रुख करते हैं। यह है पानी, पानी और पानी की दुनिया। व्हेल मछली के करतबों को लाइव देखने का मौका मिलता है। और हां, 'टेरर ऑफ द डीप' सुरंग में पैदल चलते–चलते किस्म– किस्म के समुद्री जीवों से रूबरू होने का अनूठा अनुभव यहीं है। और वॉटर कोस्टर राइड का मजा लूटें 'जर्नी टु अटलांटिक' पर। बगल में है मैजिक किंगडम। सैर–सपाटे के लिए पूरा एक दिन भी कम पड़ेगा और चाहिए आरामदेह जूते। बनावट और सजावट पिज्जा से मिलती–जुलती है। पिज्जा के सातों टुकड़ों में जादू के अलग–अलग रंग भरे हैं। यहीं मिलेंगे मिक्की, डोनल्ड, प्लूटो वगैरह जाने–माने हर बच्चे के अजीज डिज्नी करेक्टर्स। सिंड्रेला कैसल में देखिए दुनिया का सबसे बड़ा बर्थ डे केक। आगे एडवेंचर लैंड में, जंगल की सैर कीजिए। और ओशन लैंड की बिग थंडर माउंटेन पर रोलर कोस्टर राइड। अब अपने बचपन के सपनों को सच होते देखने पहुंच जाएं फेंटेसी लैंड में। और तो और, सागर तले दफ्न दुनिया की सैर कर सकते हैंकृ20,000 लीग्स अंडर दी सी के जरिए। एलिस को मिलने चलिए 'एनकांउटर जोन' में। भूत देखने हैं, तो 'हंटेड मेंशन' का रुख कर सकते हैं। तेज लहर खूब ऊंची उठती है और तैरते समुद्री जहाज को झटके से पहाड़ पर गिरा देती है। अरे! घबराने की क्या बात है टायफूल लैगून वॉटर पार्क में स्वागत है। यह है 56 एकड़ एरिया में फैला समुद्र, जहां चंद मिनट बाद ढाई एकड़ लम्बी लहर दौड़ती है। 'कॉमेडी वेयरहाउस' में जोरदार ठहाकों से लोटपोट होने पहुंच जाइए। और हां, 'मेनक्विंस डांस पैलेस' में देख सकते हैं बुतों को नाचते हुए। लेकिन हिदायत दी जाती है कि 21 साल से ऊपर की उम्र वाले ही बुतों के संग–संग डांस कर सकते हैं। और 'जर्नी इनटु इमेजिनेशन' में जादुई दुनिया में पहुंच जाते हैं। एनिमल किंगडम तो और भी खास है। जानवरों की दुनिया है, लेकिन चिड़ियाघर की तरह तो हरगिज नहीं है। सबसे पहले कीजिए खिलीमेनजारो सफारी की सैर–देखिए घने अफरीकी जंगल अफरीका गए बगैर। खुली ट्रेन में जिराफ, दरियाई घोड़ा, गैंडा, हाथी वगैरह के एकदम करीब से गुजरते हैं। बेधड़क होकर फोटो खींचिए। डरना नहीं, बेशक गैंडा तुम्हारी ट्रेन के संग–संग दौड़ने लगे।

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन, वाराणसी के अलावा इस फिल्म में आएंगी नजर

> उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी।

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रही हैं। महेश बाबू के साथ फिल्म वाराणसी के बाद अब वह एक नई फिल्म पर काम कर रही हैं। जानिए प्रियंका की नई फिल्म का नाम क्या है। इस महीने की शुरुआत में प्रियंका चोपड़ा को स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते और रसोई में सेवा करते देखा गया था। हाल ही में उन्होंने फिर से स्वर्ण मंदिर जाकर प्रार्थना की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका कल रात करीब 12 बजे स्वर्ण मंदिर में नजर आईं। वह वहां प्रार्थना कर रही थीं और परिक्रमा स्थल पर कुछ देर रुकीं। स्वर्ण मंदिर के अलावा, पिछले कुछ दिनों में प्रियंका ने पंजाब के कई और धार्मिक जगहों पर भी जाकर दर्शन किए। इनमें शहीद बाबा गुरबख्श सिंह जी, थड़ा साहिब, शहीदान सिंह मेमोरियल, झंडा बंगा साहिब, बाबा बुड्ढा जी और दुख भंजनी बेर साहिब शामिल हैं। कुछ दिन पहले प्रियंका की सेवा करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी। प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म के लिए पंजाब के अमृतसर में रुकी हुई हैं। फिल्म श्अमरीश की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रियंका अपना पूरा शेड्यूल पूरा करने में व्यस्त हैं। वह आखिरी बार फिल्म द ब्लफ में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ काम किया था। अमरी के अलावा प्रियंका फिल्म वाराणसी में नजर आएंगी। वाराणसी में प्रियंका साउथ अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

शाहरुख की इस फिल्म में काम ना करने का राजपाल यादव को है पछतावा, एक गलतफहमी से हाथ से निकल गया था प्रोजेक्ट

अभिनेता राजपाल यादव अपनी अपकमिंग फिल्म भूत बंगला की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि गलतफहमी में एक फिल्म ठुकराने का उन्हें बहुत पछतावा है। उनके मुताबिक गलतफहमी की वजह से उनके हाथ से शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम निकल गई थी। राजपाल यादव ने बताया कि शुरुआत में उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म बिल्लू में बिल्लू बार्बर का किरदार निभाना था। हालांकि, बाद में यह रोल इरफान खान ने निभाया। उन्हें एहसास हुआ कि ओम शांति ओम में कथित तौर पर एक रोल ठुकराने के बाद उन्होंने अनजाने में शाहरुख खान को नाराज कर दिया था। राजपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस गलतफहमी के बारे में तब पता चला, जब वे बिल्लू के सेट पर थे। जूम के साथ बातचीत में राजपाल यादव ने कहा बिल्लू का पूरा प्रोडक्शन जूही चावला के भाई देखते थे। वह मुझसे गले मिले और कहा भाई शाहरुख से मिल लेना। भाई आपको बहुत प्यार करते हैं। जब हम कल हो ना हो में काम कर रहे थे तो उन्होंने कहा था कि कभी एक लंबा और बढ़िया ट्रैक करेंगे, एक सीन में मजा नहीं आया। मैंने कहा मैं तो दोपहर में ही मिला था, उन्होंने कहा थोड़ा कंफ्यूजन है। तो मैंने पूछा क्या? तो वह बोले आपके लिए रोल लिखवाया था। आपने ये कह कर मना कर दिया कि टाइम नहीं है। राजपाल यादव ने आगे कहा कि मैंने अपने मैनेजर को बुलाया और पूछा कि क्या इस तरह का कोई मामला हुआ था। इस पर उसने कहा उन्हें नहीं पता। राजपाल यादव ने कहा श्पता चला कि बीच में किसी ने मेरी बुराई करके मेरी दूसरी छवि पेश कर दी। इस बारे में शाहरुख को भी नहीं पता और मुझे भी नहीं पता। तो ये बॉलीवुड है। यहां इस तरह के कई किस्से हो जाते हैं। इसके बाद हम और शाहरुख से ऐसे गले मिले जैसे कुछ हुआ ही नहीं। फराह खान के निर्देशन में बनी ओम शांति ओम में दीपिका पादुकोण थीं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। 38 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 148 करोड़ रुपये कमाए थे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म भूत बंगला में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल नजर आएंगे। यह हॉरर–कॉमेडी फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

श्रेया घोषाल ने दिया आशा भोसले को दिल छू लेने वाला ट्रिब्यूट, लंदन में गूंजे आइकोनिक गाने, फैंस हुए इमोशनल

महान गायिका आशा भोसले का रविवार, 12 अप्रैल 2026 को निधन हो गया था। आशा ताई ने अपनी आवाज से 7 दशकों से भी ज्यादा समय तक बॉलीवुड पर राज किया। अब उनके निधन होने पर कई बड़े कलाकार दुख जता रहे हैं। इसी बीच सिंगर श्रेया घोषाल ने भी आशा भोसले को खास तरीके से श्रद्धांजलि दी है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। श्रेया घोषाल ने लंदन में अपने कॉन्सर्ट के दौरान आशा भोसले को खास ट्रिब्यूट दिया। श्रेया ने आशा ताई के अभी ना जाओ छोड़ कर और दो लफ्जों की है दिल की कहानी जैसे आइकोनिक गाने गाए। इस बीच आशा भोसले की तस्वीरें बैकग्राउंड में डिस्पले के तौर पर दिखाई दीं। वीडियो में देखा जा सकता है कि श्रेया के साथ वहां मौजूद लोग भी इन आइकोनिक गानों को इंजॉए करते नजर आए। वीडियो सामने आते ही लोगों ने भी इसपर प्यार बरसाया। एक यूजर ने कमेंट किया– 'श्रेया ही एकमात्र ऐसी सिंगर हैं, तो लता मंगेशकर और आशा भोसले के गाने गा सकती हैं।' दूसरे यूजर ने कमेंट किया– 'श्रेया ने बहुत प्यारा गाया है।' वहीं एक यूजर ने लिखा– केवल श्रेया ही लता मंगेशकर और आशा भोसले के गानों के साथ न्याय कर सकती हैं। इससे पहले भी श्रेया ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर आशा भोसले के निधन पर शौक जताया था और उनके लिए खास नोट भी लिखा था। साथ ही श्रेया ने गायिका को श्रद्धांजलि भी दी थी।

आशा भोसले पंचतत्व में विलीन, अंतिम विदाई देने पहुंचे आमिर–विक्की समेत कई सेलेब

दिग्गज गायिका आशा भोसले का रविवार 12 अप्रैल को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सोमवार सुबह से उनके अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर तमाम फिल्मी कलाकारों और राजनेताओं का आना–जाना लगा रहा। इस दौरान गायिका को राजकीय सम्मान दिया गया। इसके बाद आशा ताई अपने अंतिम सफर पर निकलीं। सफेद और पीले रंग के फूलों से उनका मोक्ष रथ सजाया गया। कुछ ही देर पहले दादर के शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार किया गया। सीएम देवेंद्र फडणवीस आशा भोसले की पोती और परिवार से मिलते हुए – फोटो रू सोशल मीडिया दिग्गज गायिका आशा भोसले पंचतत्व में विलीन हो गईं। उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे आमिर खान और विक्की कौशल के अलावा कई सेलेब्स पहुंचे थे। राज ठाकरे ने भी उनके परिवार से मुलाकात की। आशा भोसले के अंतिम संस्कार में विक्की कौशल के अलावा आमिर खान भी पहुंचे। आमिर बहुत भावुक दिखे। साथ में राज ठाकरे भी मौजूद दिखे। विक्की कौशल ने भी पुष्प अर्पित किए। वो आशा भोसले की पोती जनाई से बात करते नजर आए। गायक शान, अभिनेता विवेक ओबेरॉय, निर्देशक रमेश सिप्पी और अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे ने आशा ताई को श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आशा भोसले की बहन उषा मंगेशकर गायिका के अंतिम संस्कार के लिए शिवाजी पार्क पहुंचीं। अनु मलिक भी शमशान भूमि पहुंचे। सुदेश भोसले ने आशा भोसले के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। सीएम और डिप्टी सीएम ने पुष्प अर्पित किए। आशा भोसले के अंतिम संस्कार स्थल को भी फूलों से सजाया गया है। उनकी एक तस्वीर भी भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ वहां पर लगाई गई है।

गर्मियों में कुछ चटपटा खाने का है मन तो ट्राई करें मुंह में पानी लाने वाले मैंगो सैंडविच

गर्मियों के मौसम में एक चीज जो बाजार में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है वो है फलों का राजा आम। इस समय घरों में सादे आं के साथ–साथ आमरस खाने का सिलसिला भी शुरु हो चुका है। आम वैसे खाने में भी बहुत अच्छा लगता है साथ मैं इसकी रेसिपीज भी उतनी ही टेस्टी होती हैं। आज हम आपको बताएंगे मैंगो सैंडविच के बारे में। ये बनाने में बहुत ही आसान है और साथ में टेस्टी तो इसका जबरदस्त है ही। इसे आप स्नैक्स

में या फिर ब्रेकफास्ट के तौर पर खाया जा सकता है....

सामग्री

आम के कटे हुए स्लाइस– 1

ब्रेड स्लाइस– 4

काली मिर्च– 1 चुटकी

नमक– स्वादानुसार

बटर– 1 टेबलस्पून

विधि

1. मैंगो सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले आम को लें और उसे धोकर उसके स्लाइस कर लें।
2. इन्हें एक बाउल में निकालकर रख लें।
3. अब ब्रेड स्लाइस को लें और उन्हें किसी समतल जगह पर रखकर उसके चारों ओर के किनारों को छुरी की सहायता से काटकर अलग कर दें।
4. अब ब्रेड स्लाइस को किसी समतल जगह पर रखकर छुरी की सहायता से उन पर चारों ओर हल्का–हल्का बटर लगाएं।
5. जब ब्रेड पर चारों ओर अच्छी तरह से बटर लग जाए, तो उसके बाद उस पर कटे हुए आम के स्लाइस रख दें और ऊपर से काली मिर्च छिड़क दें।
6. इसके बाद सैंडविच को बीच में या हाइगोनल काटकर एक प्लेट में रख दें।
7. अब आपका टेस्टी मैंगो सैंडविच बनकर तैयार हो गया है।
8. इसे ऐसे ही सर्व कर दें।

शरीर में ओमेगा–3 फैटी एसिड की कमी होने पर नजर आते हैं ये 4 संकेत

जब भी शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की बात होती है तो लोग प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स की बात करते हैं, लेकिन ओमेगा–3 फैटी एसिड पर किसी का ध्यान नहीं जाता है। जबकि यह आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए बेहद आवश्यक है। इससे आपकी स्किन से लेकर मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ओमेगा –3 फैटी एसिड हेल्दी फैट

होते हैं, जो आपके स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं। आमतौर पर, फिश को ओमेगा–3 का अच्छा स्त्रोत माना जाता है और शाकाहारियों में अक्सर इसकी कमी देखी जाती है। जब आपके शरीर में इसकी कमी होती है तो ऐसे में आपके शरीर में कुछ संकेत नजर आ सकते हैं–

स्किन, बाल और नाखूनों में बदलाव आना

अगर आपको अपनी स्किन रूखी नजर आती है और बाल व नाखून कमजोर होकर टूट रहे हैं तो हो सकता है कि आपके शरीर में ओमेगा –3 की कमी हो। इतना ही नहीं, इसके कारण आपको इससे डैंड्रफ की समस्या के साथ–साथ आपकी स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं।

जोड़ों में दर्द होना

मछली के तेल से प्राप्त ओमेगा–3 में एंटी– इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। जिसके कारण यह स्वाभाविक रूप से जोड़ों में सूजन को कम करता है। इससे आपके जोड़ों में दर्द व पैरों में ऐंठन की समसया दूर होती है। हालांकि, अगर आपको पिछले कुछ समय से जोड़ों में दर्द की शिकायत है तो हो सकता है कि आपके शरीर में ओमेगा–3 की मात्रा कम हो।

हरदम थकान या नींद न आना

अगर आपको पिछले कुछ वक्त से हरदम थकान की शिकायत रहती हैं या फिर आपको ठीक ढंग से नींद नहीं आती है। तो ऐसा ओमेगा–3 की कमी के कारण भी हो सकता है। इसलिए, आप अपनी डाइट में ओमेगा–3 रिच फूड के साथ–साथ सप्लीमेंटस लेने पर भी विचार करें।

एकाग्रता की कमी

जब शरीर में आवश्यक ओमेगा–3 फैटी एसिड का स्तर कम होता है, तो यह फोकस और मेमोरी से जुड़ी समस्याओं को जन्म दे सकता है। इसके कारण व्यक्ति जल्दी चिड़चिड़ा महसूस करता है या फिर उसे जल्दी गुस्सा आने लगता है।

गर्मियों में बालों को होती है खास देखभाल की जरूरत, ऐसे रुखे और बेजान बालों में आएगी शाइन

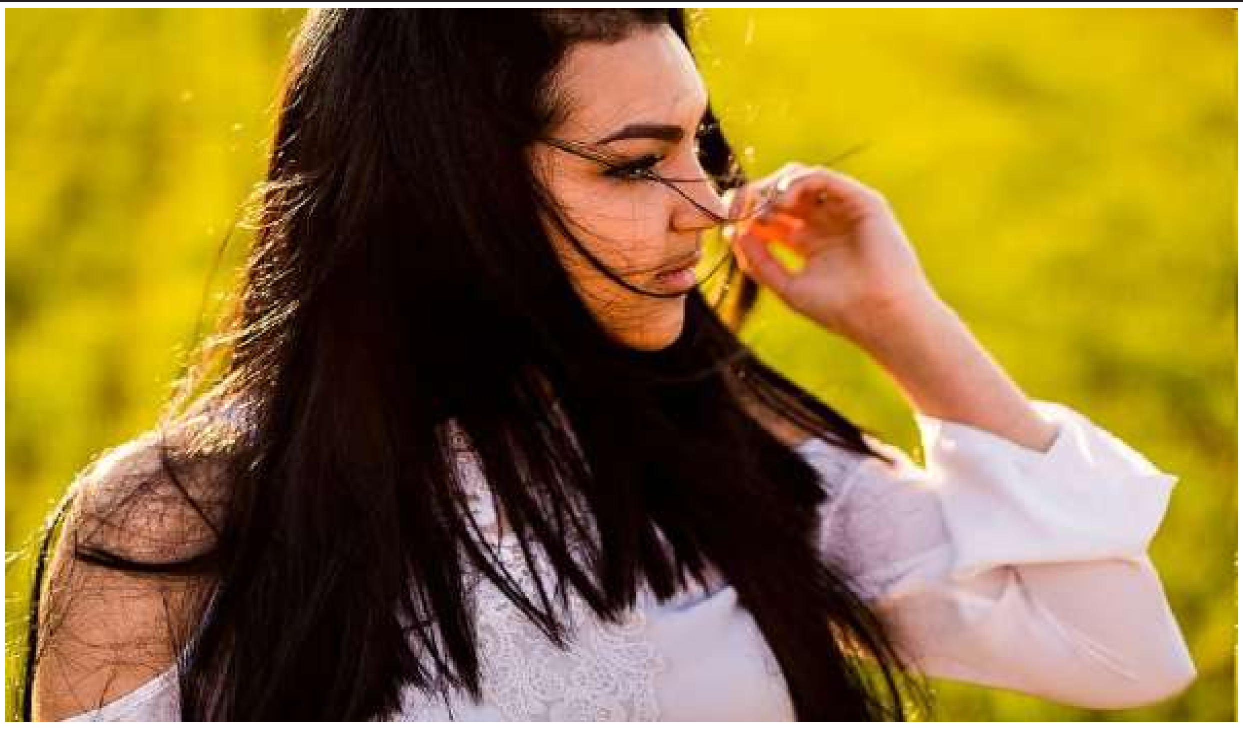

अक्सर गर्मियों के मौसम में हमारा पूरा फोकस सिर्फ स्किन केयर की तरफ होता है। किस तरह से स्किन को टैनिंग से बचाना है। सनस्क्रीम लगाकर बाहर निकलना आदि, लेकिन इस के बीच हम अपने बालों का ख्याल रखना भूल जाते हैं। महिलाओं से लेकर पुरुषों तक की खूबसूरती बढ़ाने का काम बाल काम करते हैं। इसलिए जितनी स्किन की केयर करनी चाहिए, उतना ही बालों को भी केयर और देखभाल की जरूरत होती है। गर्मियों में बालों का ख्याल नहीं रखने पर धूप, धूल और पॉल्यूशन के कारण यह डैमेज होकर टूटने लगते हैं। आइए जानते हैं कि गर्मियों में बालों की किस तरह से देखभाल करनी चाहिए।

बालों की साफ–सफाई

गर्मियों के मौसम में सप्ताह में करीब 2 से 3 बार शैंपू करना चाहिए। क्योंकि गर्मी में पसीना निकलने के कारण पसीना और ऑयल स्कैल्प पर जमा होते रहते हैं। जिसकी वजह से खुजली और इंफेक्शन आदि हो जाता है। इससे बचने के लिए शैंपू करें। साथ ही बालों को धोने के लिए गर्म पानी के इस्तेमाल से बचना चाहिए। हालांकि आप गुनगुना पानी इस्तेमाल कर सकते हैं।

धूप से सुरक्षा

सूरज की हानिकारक यूवी किरणें न सिर्फ हमारी स्किन के लिए बल्कि यह बालों को भी काफी नुकसान पहुंचाती हैं। सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के कारण बाल में ड्रायनेस की समस्या बढ़ सकती है। जिसके कारण बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इसलिए धूप में निकलने से पहले हमेशा बालों को दुपट्टे या स्टोल से कवर कर लें।

कंडीशनर

बालों के लिए जितना ही जरूरी शैंपू होता है, उतना ही जरूरी कंडीशनर भी है। कंडीशनर से बालों को पोषण मिलता है। इसके इस्तेमाल से बाल हाइड्रेट रहते हैं और उलझते भी कम हैं। बालों पर बाजार के केमिकल युक्त प्रोडक्ट का इस्तेमाल किए जाने से बचना चाहिए। अगर आप चाहें तो घर की नेचुरल चीजों के इस्तेमाल से कंडीशनर बना सकते हैं। यह आपके बालों के लिए भी फायदेमंद होगा।

स्टाइलिंग टूल्स

अगर आप भी बालों की स्टाइलिंग के लिए बहुत ज्यादा हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल करती हैं। तो आपको बता दें कि यह आपके बालों की क्वालिटी को नुकसान पहुंचा सकता है। हीटिंग टूल्स के यूज से बाल ड्राय होकर बहुत ज्यादा टूटने लगते हैं। ऐसे में अगर भी बालों को घना और मुलायम बनाए रखना चाहती हैं तो हीटिंग टूल्स के अधिक इस्तेमाल से बचना चाहिए।

ट्रिमिंग भी है जरूरी

बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए और दोमुहे बालों को कम करने के लिए समय–समय पर ट्रिम कराना चाहिए। ट्रिमिंग कराने से बालों की प्रॉब्लम से भी काफी हद तक राहत मिलती है।

गर्मियों में बच्चों को बीमारियों से कोसो दूर रखेगा खरबूजा, हैल्थ को मिलेंगे जबरदस्त फायदे

गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है ऐसे में इस मौसम में उमस के कारण शरीर को कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। खासकर बच्चों की इम्यूनिटी पॉवर कमजोर होती है जिसके कारण उन्हें कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में इस मौसम में बच्चों के शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप उन्हें हैल्दी डाइट का सेवन करवा सकते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर तरबूज बच्चों की हैल्थ के लिए इस मौसम में काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। तो चलिए आपको बताते हैं इस मौसम में तरबूज खिलाने से बच्चों को क्या–क्या फायदे होंगे...

शरीर को रखेगा हाइड्रेट

तरबूज में विटामिन–ए, सी, बी, फाइबर, पौटेशियम, आयरन और 90 प्रतिशत से भी ज्यादा पानी पाया जाता है ऐसे में गर्मियों में तरबूज खाने से बच्चों को शरीर हाइड्रेट रहेगा। इसका सेवन करने से इस मौसम में उनके शरीर में पानी की कमी भी नहीं होगी।

पाचन रहेगा हैल्दी

इसमें डाइट्री फाइबर पाया जाता है जिसके कारण यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। इसका सेवन करने से इस मौसम में पेट में दर्द, कब्ज, उल्टी, पेट फूलना जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

मजबूत होगी हड्डियां

तरबूज को कैल्शियम और मैग्नीशियम का काफी अच्छा स्त्रोत माना जाता है इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व बच्चों की हड्डियों का विकास करने में भी मदद करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, जिन बच्चों की हड्डियां कमजोर होती हैं उन्हें एक्सपर्ट्स 200 ग्राम तरबूज खाने की सलाह देते हैं। इसके अलावा इसमें कैल्शियम भी पाया जाता है जो दांतो के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

तरबूज में विटामिन–सी कॉम्पेलक्स पाया जाता है जो इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद करता है। कई शोधों में यह बात साबित हुई है कि इसका सेवन करने से रेड ब्लड सेल्स का निर्माण, नर्वस सिस्टम का विकास और मेटाबॉल्जिम बूस्ट करने में सहायता मिलती है।

दिल को भी रखेगा हैल्दी

गलत खान–पान के कारण बच्चे हार्ट संबंधी समस्याओं का शिकार हो रहे हैं ऐसे में आप उन्हें तरबूज खिला सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला लाइकोपीन नाम का एंटीऑक्सीडेंट हार्ट हैल्थ के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। यह बच्चों की कार्डियोवैस्क्यूलर हैल्थ सुधारने में मदद करता है।

कब खिला सकते हैं बच्चे को तरबूज?

आप बच्चे को 6 महीने की उम्र के बाद ठोस आहार देना शुरु कर सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि जब भी आप बच्चे को तरबूज दें इसमें बीज न हो। तरबूज मैश करके या फिर प्यूरी बनाकर आप उनकी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कॉर्न फ्लेक्स या पराठा में से कौन सा नाश्ता आपके लिए है बेस्ट, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

अगर कोई आपसे कहे कि आप पराठा खाकर अपना वेट लॉस कर सकते हैं। तो इस पर आपका क्या रिएक्शन होगा। भले ही आपको यह सुनकर हैरानी हो, लेकिन इस बात में पूरी तरह से सच्चाई है। हालांकि हम सभी अपने घरों में बचपन से पराठा खाते आए हैं। लेकिन आज के समय में ज्यादातर लोगों की ब्रेकफास्ट प्लेट से पराठा हटता जा रहा है।

अब लोगों का मानना है कि पराठा हमारे लिए हेल्दी नहीं है। इसके लिए हम सभी अपने नाश्ते में पराठे की जगह कॉर्न फ्लेक्स को दे रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि बिजी लाइफस्टाइल होने के चलते लोगों के पास ब्रेकफास्ट बनाने का समय नहीं होता है। लेकिन वेटलॉस के लिए पराठा बेहतर है या कॉर्न फ्लेक्स। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डाइटीशियन स्वाति बथवाल की राय बताने जा रहे हैं। तो आइए जानते हैं कि क्या कहना है हेल्थ एक्सपर्ट्स का

कैलोरी काउंट

अगर आप 100 ग्राम के पराठे को 5 ग्राम घी में पकाकर बनाते हैं। या फिर 5 ग्राम सफेद मक्खन के साथ 100 ग्राम की स्टफ्ड रोटी को खाते हैं। तो इसकी कैलोरी करीब 200–250 होगी। हालांकि इसके लिए पराठे के साइज और स्टफिंग का भी ध्यान रखना होगा। छोटी डिनर प्लेट के साइज जितना पराठा होना चाहिए। कॉर्न फ्लेक्स से इसकी न्यूट्रिशन वैल्यू अधिक होगी और इससे पेट भी लंबे समय तक भरा रहेगा। वहीं अगर हम ब्रेक फास्ट में आधा कप कॉर्न फ्लेक्स लेते हैं। यह करीब 1 कप पराठे के बराबर होगा। लेकिन इससे आपका पेट नहीं भरेगा। वहीं म्यूसली बस 2 चम्मच यानी की क्वार्टर कप लेनी चाहिए।

आप 100 ग्राम कॉर्न फ्लेक्स के साथ दूध लेते हैं तो इसमें करीब 300 कैलोरीज होंगी। जो एक पराठे से ज्यादा है। वहीं अगर सीरियल में नट्स और फ्रूट्स भी डालेंगे तो इसका कैलोरी काउंट और बढ़ जाएगा। अगर पराठे को अच्छे से सब्जी डालकर बनाया जाए तो यह फ्रेश भी रहेगा और न्यूट्रिशन भी ज्यादा होंगे।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप रिफाइंड तेल में पराठे को बनाएंगे तो ये आपके लिए हेल्दी नहीं होगा। साथ ही इससे गैस और पेट में सूजन की समस्या हो सकती है। क्योंकि यह मेटाबॉलिक रेट को कम करता है। हालांकि इसका मतलब यह भी नहीं होता है कि आप कितनी भी मात्रा में घी का इस्तेमाल कर सकती हैं। पराठे को सेंकने के लिए ज्यादा घी का यूज नहीं करना चाहिए। स्टफ्ड रोटी बनाकर आप इसको 5 ग्राम सफेद मक्खन के साथ खा सकते हैं। लेकिन अगर पराठा बना रहे हैं तो 5 ग्राम घी में सेकें। इससे ज्यादा घी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

जानें एक्सपर्ट्स की राय

एक्सपर्ट्स का मानना है कि पराठा फ्रेश होता है। क्योंकि यह घर पर ही बनता है। आप तरह–तरह के आटे में पराठे को बना सकते हैं। साथ ही इसमें वेजिटेबल्स, दाल या पनीर डालकर हाई प्रोटीन पराठा भी बना सकते हैं। पराठे में स्टफिंग के लिए सिर्फ हेल्दी स्टफिंग को चुनें। प्रयास करें कि यह आलू का पराठा न हो। पराठे में स्टफिंग के लिए वेजिटेबल्स, दाल या पनीर ले सकते हैं। इससे प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलेगा।

रागी, जौ या ज्वार के आटे का पराठा फाइबर रिच होता है। साथ ही इससे आपको लंबे समय तक भूख भी नहीं लगती है। पराठा नैचुरल और टेस्टी भी होता है। ऑयल फ्री अचार या चटनी के साथ इस पराठे की न्यूट्रिशन वैल्यू बढ़ जाती है।

अगर आप कॉर्न फ्लेक्स की बात करते हैं तो फिर कोई भी कॉर्न फ्लेक्स हो, सीरियल हो या म्यूसली हो वह पराठे की तुलना में कम हेल्दी होता है। इसे मार्केट में हाई फाइबर या हाई प्रोटीन कहकर उतारा जाता है। लेकिन पहले इनमें से फाइबर को निकाला जाता है, इसके बाद फिर फाइबर और प्रोटीन एड किया जाता है।

यह प्रोसेस्ड होता है। कोई भी प्रोसेस्ड फूड स्वास्थ्य के लिए हेल्दी व अच्छा नहीं होता है।

गेहूं से बने सीरियल की एक्सरपायरी 7 से 15 महीने की होती है। वहीं हम घर में एक दिन पहले बने पराठे को दूसरे दिन नहीं खाते हैं। इस लिहाज से गेहूं से बने सीरियल पराठे की तुलना में अच्छा नहीं होता है।

स्पिनर होते हुए तेज बाउंसर कैसे फेंक लेते हैं क्रुणाल पांड्या? कहा- एक कदम आगे रहना चाहता हूं

मुंबई,एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा कि वह बाउंसर करने के लिए पहले से योजना नहीं बनाते हैं, बल्कि बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहने और उन पर हावी होने के लिए अपनी सहज भावना से इस गेंद का इस्तेमाल करते हैं। क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया। आरसीबी ने इंडियन प्रीमियर लीग के इस मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 240 रन बनाए जिससे जवाब में मुंबई की टीम पांच विकेट पर 222 रन ही बना पाई। क्रुणाल ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, श्मैंने कभी अलग–अलग और नई चीजें आजमाने से परहेज नहीं किया है क्योंकि इम्पैक्ट प्लेयर नियम के लागू होने से पहले नंबर छह या सात पर ऑलराउंडर होते थे और बल्लेबाजी का तरीका काफी अलग था। लेकिन अब नंबर आठ पर भी विशुद्ध बल्लेबाज आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, अगर कौशल की बात करें तो मुकुल (चौधरी) और वैभव (सूर्यवंशी) जैसे युवा खिलाड़ी पहली ही गेंद से लगातार अच्छे शॉट लगा रहे हैं। एक गेंदबाज के तौर पर मैं कौशल और मानसिक रूप से भी उनसे एक कदम आगे रहना चाहता हूं। क्रुणाल ने कहा, श्मुझे खुशी है कि मैं अच्छी तरह से इसे अंजाम दे रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि इस प्रारूप में अंगुलियों के स्पिनरों का महत्व बना रहेगा और वे इससे कुछ सीख लेकर अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। क्योंकि सपाट पिचों और आठ बल्लेबाजों की मौजूदगी में उंगलियों स्पिनरों के लिए टीम में जगह बनाना बहुत मुश्किल हो गया है।

क्रुणाल ने कहा कि वह अपनी शॉर्ट पिच गेंद को लेकर बहुत ज्यादा तैयारी नहीं करते हैं और इसके लिए खास योजना भी नहीं बनाते हैं। उन्होंने कहा, श्मैं अपने मन की बात सुनता हूं। मैं पहले से यह योजना नहीं बनाता कि मुझे चौथी, पांचवीं या छठी गेंद बाउंसर करनी है। कई बार ऐसा होता है कि मैं लगातार दो बाउंसर फेंकता हूं और अचानक पहली और छठी गेंद भी बाउंसर कर देता हूं। क्रुणाल ने कहा, श्लोग अक्सर मेरी बाउंसर और उन गेंदों के बारे में बहुत बातें करते हैं जो देखने में काफी अलग लगती हैं। लेकिन मैंने हमेशा अपनी गेंदबाजी की बुनियादी बातों पर काम किया है। विराट कोहली टखने में दर्द के कारण मुंबई इंडियंस के खिलाफ फील्डिंग करने के लिए नहीं उतरे लेकिन क्रुणाल ने कहा कि वह ठीक हो जाएंगे। उन्होंने कहा, श्मैंने अभी तक फिजियोथेरेपिस्ट से बात नहीं की है, लेकिन मुझे लगता है कि वह ठीक हो जाएंगे। मुझे लगता है कि चिंता की कोई बात नहीं है। इस बीच मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड ने स्वीकार किया कि लगातार तीसरी हार के बाद उनकी टीम को रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। रदरफोर्ड ने कहा, हम हमेशा पिछली हार से सीखते हैं। हमें नए सिरे से रणनीति बनानी होगी और छोटी–छोटी कमियों को दूर करने की कोशिश करनी होगी। हमारी टीम अच्छी है। तीन हार से हम खराब टीम नहीं बन जाते। उन्होंने कहा, यह लंबी अवधि का टूर्नामेंट है और ऐसे टूर्नामेंट में शुरुआत कैसी होती है यह मायने नहीं रखता, बल्कि लय कैसे बनती है यह मायने रखता है। मुझे लगता है कि आगे चलकर यही हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण होगा।

संक्षिप्त

उत्तर भारत में पहली बार बनेगा विमान इंजन टेस्टिंग केंद्र, ब्रिटिश कंपनी के साथ मिलकर परियोजना शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में उन्नत विमानन तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग ने गुरुग्राम स्थित केसी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। यह समझौता बूस्ट इलेक्ट्रिक जंप टेक–ऑफ (बीई–जेटीओ) परियोजना के तहत किया गया है, जिसे भारत–यूके इंडस्ट्रियल सस्टेनेबिलिटी सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत यूके की एआरसी एयरोसिस्टम्स लिमिटेड के साथ मिलकर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना के लिए टीडीबी ने सशर्त अनुदान स्वीकृत किया है। इसका मुख्य उद्देश्य हाइब्रिड प्रोपल्शन आधारित जंप टेक–ऑफ सिस्टम विकसित करना है, जिससे ड्रोन और हल्के विमानों की उड़ान क्षमता और संचालन में बड़ा सुधार हो सके। यह तकनीक कम दूरी या लगभग वर्टिकल टेक–ऑफ की सुविधा देगी, जिससे दुर्गम और दूरदराज इलाकों में भी आसानी से संचालन संभव होगा। परियोजना के तहत उत्तर भारत में एक अत्याधुनिक टेस्ट–बेंच सुविधा स्थापित की जाएगी, जहां रोटरक्राफ्ट प्रोपल्शन सिस्टम का परीक्षण और अनुकूलन किया जाएगा। यह सुविधा न केवल कंपनी के लिए बल्कि स्टार्टअप्स और अन्य डेवलपर्स के लिए भी उपयोगी साबित होगी, जो एडवांस्ड एरियल मोबिलिटी और ड्रोन तकनीक पर काम कर रहे हैं। इस तकनीक के इस्तेमाल से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, आपदा राहत, मेडिकल इवैक्यूएशन, ड्रोन लॉजिस्टिक्स और निगरानी जैसे क्षेत्रों में बड़े बदलाव की उम्मीद है। खासकर उन इलाकों में जहां पारंपरिक विमान संचालन मुश्किल होता है, वहां यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। टीडीबी के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए इस तरह के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम रणनीतिक क्षेत्रों में नई तकनीकों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि हाइब्रिड प्रोपल्शन और एडवांस टेक–ऑफ सिस्टम भारत की ड्रोन और क्षेत्रीय हवाई सेवाओं की क्षमता को मजबूत करेंगे और टिकाऊ विमानन समाधान को बढ़ावा देंगे। वहीं, केसी एविएशन के प्रमोटर्स ने इस सहयोग के लिए सरकार का आभार जताया और कहा कि इस परियोजना से उनकी तकनीक को वास्तविक परिस्थितियों में परीक्षण का अवसर मिलेगा, जिससे भविष्य के लिए स्केलेबल और उन्नत विमानन समाधान विकसित करने में तेजी आएगी।

जेपी एसोसिएट्स के लिए वेदांता की याचिका पर एनसीएलएटी में टली सुनवाई, जानिए पूरा मामला

नई दिल्ली,एजेंसी। कर्ज में डूबी जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण को लेकर देश के दो बड़े कॉर्पोरेट घरानों के बीच कानूनी खींचतान जारी है। सोमवार को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने खनन दिग्गज वेदांता समूह की उस याचिका पर सुनवाई टाल दी, जिसमें जेपी एसोसिएट्स के लिए अडानी एंटरप्राइजेज की बोली के चयन को चुनौती दी गई थी। बेंच के एक सदस्य की अनुपस्थिति के कारण पीठ की संरचना में बदलाव हुआ, जिसके चलते न्यायाधिकरण को यह सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। यह पूरा विवाद जेपी एसोसिएट्स की दिवाला प्रक्रिया से जुड़ा है। इलाहाबाद स्थित राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 17 मार्च को एक आदेश पारित करते हुए जेएएल के अधिग्रहण के लिए अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दी थी। अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाले वेदांता समूह ने एनसीएलटी के इस फैसले का विरोध करते हुए एनसीएलएटी के समक्ष दो अलग–अलग याचिकाएं दायर की हैं। अपनी अपीलों के माध्यम से वेदांता ने अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह की बोली के चयन पर सवाल उठाए हैं। कानूनी मोर्चे पर वेदांता को शुरुआती स्तर पर कोई त्वरित राहत नहीं मिली है। एनसीएलएटी ने 24 मार्च को अपने फैसले में एनसीएलटी द्वारा पारित आदेश पर किसी भी प्रकार की अंतरिम रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया था। अपीलीय न्यायाधिकरण के इस अंतरिम आदेश को बाद में देश के सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई, लेकिन शीर्ष अदालत ने भी अधिग्रहण की प्रक्रिया पर रोक लगाने से मना कर दिया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए यह सख्त निर्देश दिया है कि यदि अधिग्रहण से जुड़ी निगरानी समिति कोई भी बड़ा नीतिगत निर्णय लेना चाहती है, तो उसे सबसे पहले न्यायाधिकरण की मंजूरी प्राप्त करनी होगी। इस दिवाला प्रक्रिया का अंतिम निर्णय अभी कानूनी कसौटी पर है। एनसीएलएटी जल्द ही इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख निर्धारित करेगा। हालांकि अदाणी एंटरप्राइजेज को अधिग्रहण की मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया है कि जेपी एसोसिएट्स की यह समाधान योजना वेदांता समूह की ओर से दायर अपीलों के अंतिम परिणाम के अधीन रहेगी। बाजार और निवेशकों की नजर अब अपीलीय न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले पर टिकी हुई है।

आशा भोसले के अंतिम दर्शन के वक्त फूट-फूटकर रोए सचिन तेंदुलकर, पत्नी अंजलि भी हुईं भावुक

मुंबई,एजेंसी। भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर महान गायिका आशा भोसले के अंतिम दर्शन करते वक्त अपने आंसू नहीं रोक सके। दिग्गज गायिका आशा भोसले का रविवार 12 अप्रैल को निधन हो गया था। उनके निधन से इंडस्ट्री में मातम पसरा है। आशा भोसले को आज अंतिम विदाई दी जा रही है जिसमें सेलेब्स पहुंच रहे हैं। आशा भोसले का अंतिम संस्कार मुंबई के शिवाजी पार्क में किया जाएगा। आशा भोसले के पार्थिव शरीर को सफेद लिली के फूलों से सजे कांच के ताबूत में रखा गया। राजकीय सम्मान के तहत उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटा गया और पुलिस ने उन्हें रस्मी सलामी दी। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी पत्नी अंजली के साथ आशा भोसले को श्रद्धांजलि देने कासा ग्रांडे स्थित उनके आवास पर पहुंचे। भोसले पिछले महीने ही तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी में शामिल हुईं थीं और यह उनकी अंतिम सार्वजनिक मौजूदगी थी। एक वायरल वीडियो में तेंदुलकर पत्नी अंजली के साथ आशा भोसले के परिवार से बातचीत के दौरान भावुक नजर आए। वर्षों से सचिन और आशा भोसले के बीच एक मजबूत रिश्ता रहा। सचिन और आशा भोसले के बीच मां–बेटे जैसा रिश्ता था। आशा भोसले सचिन तेंदुलकर परिवार से घनिष्ठ रूप से जुड़ी रहीं और महत्वपूर्ण अवसरों पर नियमित रूप से उपस्थित रहती थीं। आशा भोसले के साथ सचिन तेंदुलकर का गहरा रिश्ता था। श्मास्टर–ब्लास्टरश ने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश में बताया था कि वह पद्म विभूषण से सम्मानित इस गायिका को उनके गीतों के माध्यम से हमेशा याद रखेंगे। सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा था, भारत और दुनियाभर के संगीत प्रेमियों के लिए यह एक बेहद दुखद दिन है। हमारे लिए आशा ताई परिवार जैसी थीं। आज हमें जो खालीपन महसूस हो रहा है उसके लिए शब्द बहुत कम पड़ रहे हैं। एक पल के लिए दिल खामोश हो जाता है और अगले ही पल यह उन अनगिनत धुनों में खो जाता है जो उन्होंने हम सभी को तोहफे में दीं। ऐसा लगता है मानो समय ही थम गया हो। फिर भी अपने अमर गीतों के माध्यम से वह हमेशा के लिए अमर रहेंगी।

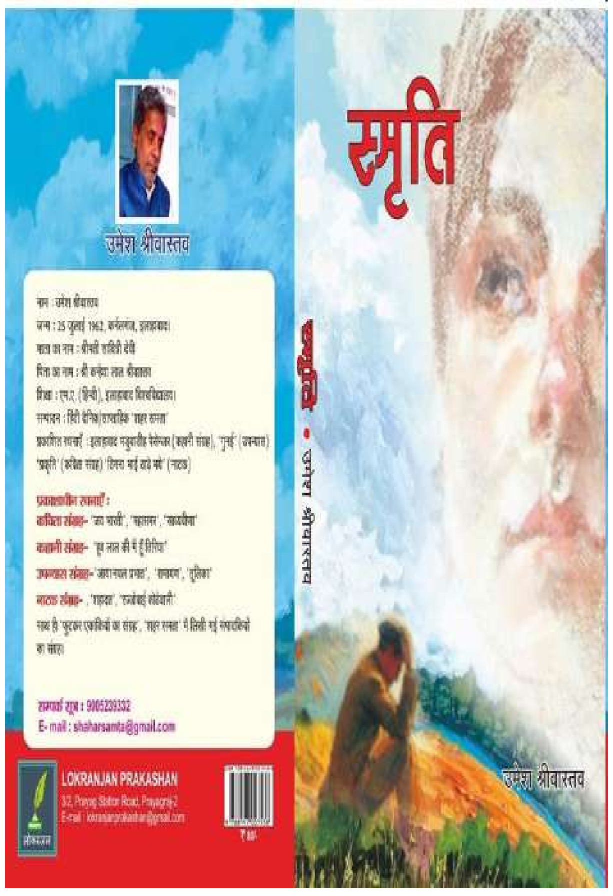

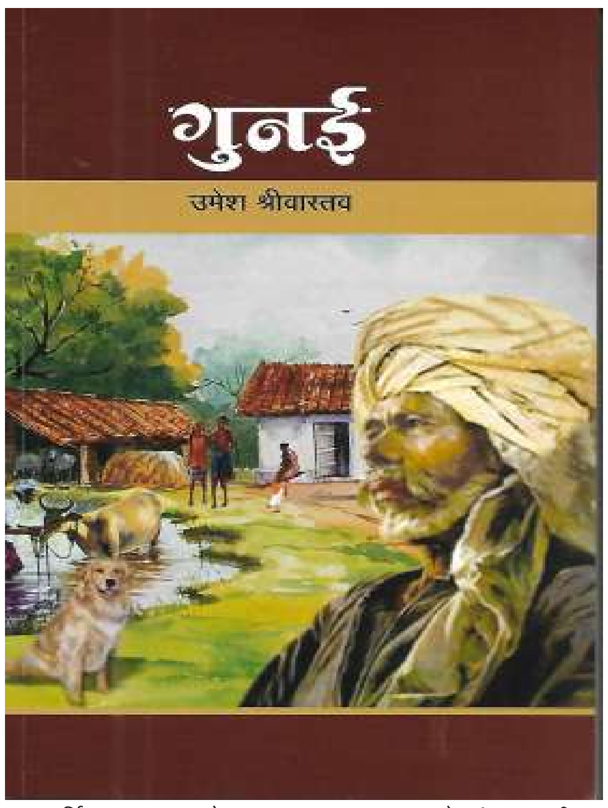

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

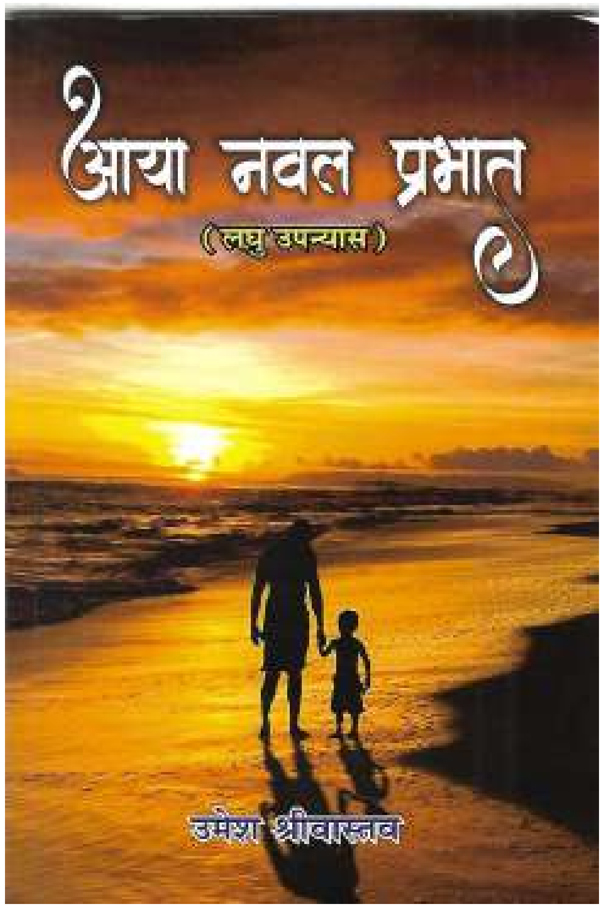

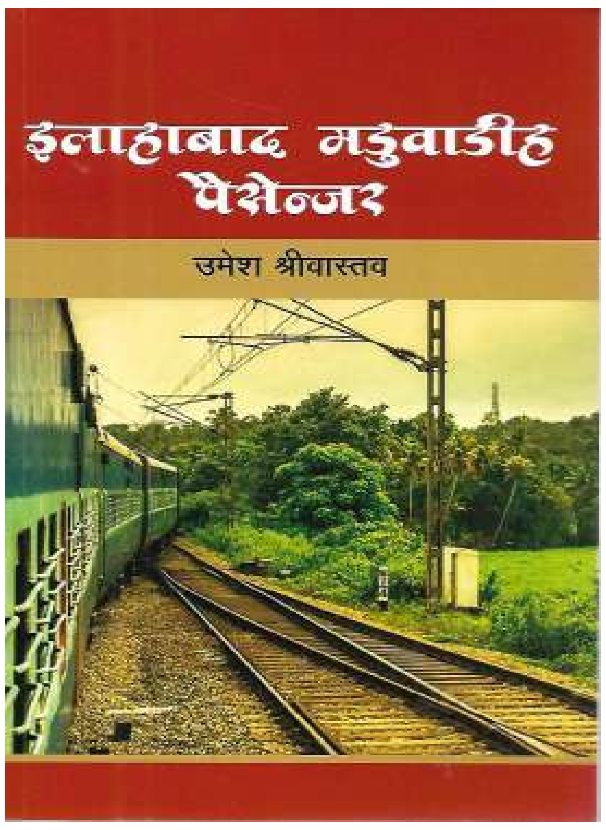

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

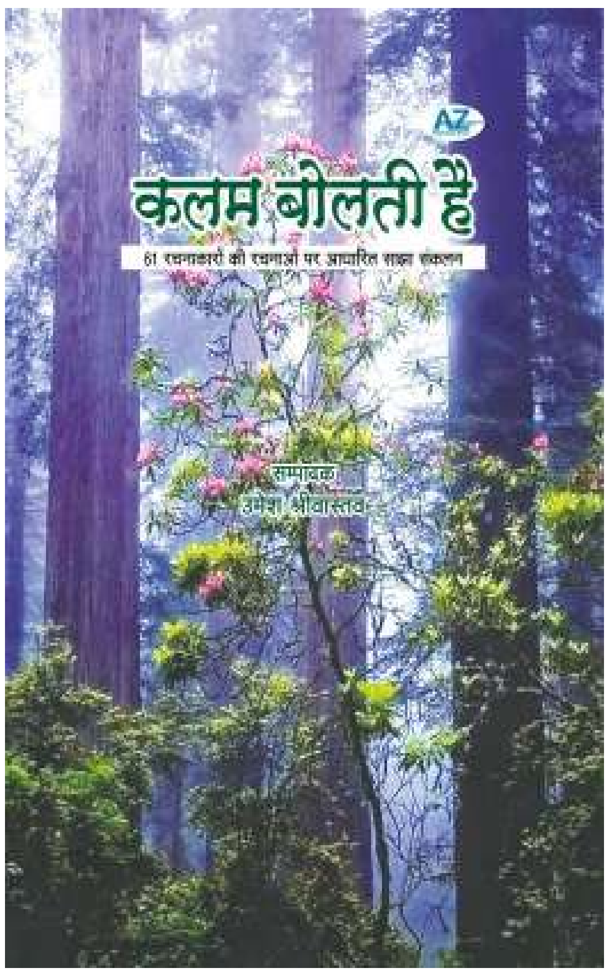

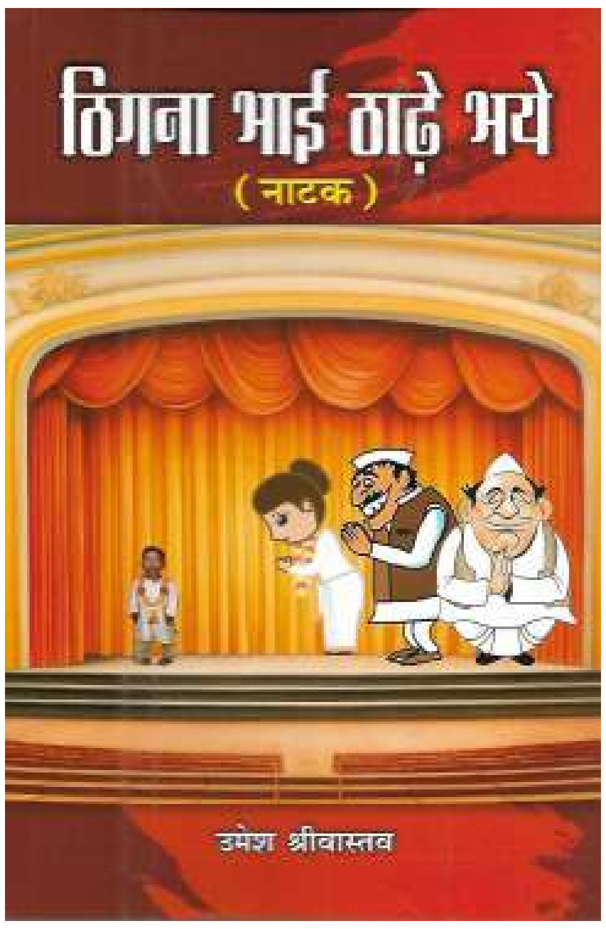

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पूर्वी प्रशांत में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, ड्रग तस्करी के शक में दो नावें उड़ाईं, पांच लोगों की मौत

अमेरिकी सेना ने जानकारी दी कि पूर्वी प्रशांत महासागर में ड्रग तस्करी के संदेह में दो नावों को निशाना बनाकर उड़ा दिया गया। इस कार्रवाई में कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति जीवित बचा है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब

अमेरिका, लैटिन अमेरिका में कथित नार्को–टेररिस्ट नेटवर्क के खिलाफ अभियान तेज कर रहा है। अमेरिकी दक्षिणी कमान के अनुसार, ये हमले शनिवार को उन समुद्री मार्गों पर किए गए जिन्हें ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, सेना ने यह स्पष्ट नहीं किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें वास्तव में मादक पदार्थ मौजूद थे या नहीं। कैसे किया गया हमला? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी वीडियो में देखा गया कि समुद्र में चल रही छोटी नावें अचानक तेज विस्फोट के साथ नष्ट हो गईं। अमेरिकी कोस्ट गार्ड को जीवित बचे व्यक्ति की तलाश और बचाव अभियान के लिए अलर्ट किया गया है, और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। ऐसे हमलों में अब तक हो चुकी है 168 लोगों की मौत बताया गया है कि सितंबर की शुरुआत से अब तक ऐसे हमलों में कम से कम 168 लोगों की मौत हो चुकी है। यह अभियान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद तेज हुआ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी कार्टेल्स के साथ श्सशस्त्र संघर्षश की स्थिति में है। ट्रंप प्रशासन का क्या दावा?

ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये हमले अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति और ओवरडोज से होने वाली मौतों को रोकने के लिए जरूरी हैं। हालांकि, इस दावे को लेकर आलोचना भी हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में पहुंचने वाला अधिकांश फेंटानिल मैक्सिको के रास्ते जमीन के जरिए तस्करी होकर आता है, जो चीन और भारत से आए केमिकल्स से तैयार किया जाता है। इन सैन्य कार्रवाइयों की वैधता और प्रभावशीलता पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि कई मामलों में ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव इस बीच, पश्चिम एशिया में भी तनाव बढ़ता दिख रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया संघर्ष के बाद युद्धविराम वार्ता पाकिस्तान में बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि अमेरिकी नौसेना, होर्मुज जलडमरूमध्य से आने–जाने वाले जहाजों पर नाकेबंदी शुरू करेगी। यह कदम ईरान पर दबाव बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, क्योंकि वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20: इसी मार्ग से गुजरता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के अनुसार, इस नाकेबंदी में ईरानी बंदरगाहों को भी शामिल किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर तनाव और बढ़ने की आशंका है।

ट्रंप का विवादित सोशल मीडिया पोस्ट: अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद को जीसस की तरह दिखाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप लियो ग्प्ट पर तीखा हमला बोलते हुए उनके नेतृत्व और विचारों पर सवाल उठाए। फ्लोरिडा से वॉशिंगटन लौटते समय ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट और पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह पोप के काम से संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि मैं पोप लियो का प्रशंसक नहीं हूं। वह बहुत लिबरल व्यक्ति हैं और अच्छा काम नहीं कर रहे। उन्होंने पोप पर रैडिकल लेफ्ट को खुश करने का आरोप भी लगाया। यह बयान उस समय आया जब पोप लियो ग्प्ट ने हाल ही में टिप्पणी की थी कि अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे तनाव में सर्वशक्तिमान होने का भ्रम एक बड़ी वजह बन रहा है। इस बयान को ट्रंप की नीतियों पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पोप की आलोचना करते हुए लिखा कि पोप लियो अपराध के मुद्दे पर कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए खराब हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह ऐसे पोप को पसंद नहीं करते जो यह मानते हों कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना ठीक है। खुद को दिखाय यीशु मसीह विवाद तब और बढ़ गया जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह खुद को यीशु मसीह जैसे रूप में दिखाते नजर आए। इस तस्वीर में वह एक बीमार व्यक्ति को स्पर्श करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास मौजूद लोग उन्हें श्रद्धा से देख रहे हैं। ट्रंप के हालिया पोस्ट पर लोगों की प्रतिक्रिया आ रही है, एक यूजर ने आलोचना करते हुए लिखा कि श्तुम लोगों को मारते हो, तुम झूठे भगवान होश। पहले भी खुद की तुलना यीशु से कर चुके हैं ट्रंप दरअसल, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने ऐसा किया है। पिछले दिनों व्हाइट हाउस में आयोजित ईस्टर लंच के दौरान ट्रंप का बयान चर्चा और विवाद का कारण बन गया था। इस कार्यक्रम में ट्रंप ने पाम संडे का जिक्र करते हुए कहा था कि पाम संडे के दिन यीशु यरुशलम में प्रवेश करते हैं, जहां लोगों ने उनका राजा के रूप में स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए जोड़ा, अब लोग मुझे भी राजा कहते हैं, क्या आप यकीन कर सकते हैं? इस टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच हंसी सुनाई दी था। हालांकि, व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर उपलब्ध इस कार्यक्रम का वीडियो बाद में हटा लिया गया, लेकिन उससे पहले ही यह क्लिप सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से फैल चुकी थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

20 साल की लंबी कसौटी: नागरिकता पर दुनिया में सबसे कड़ा नियम बनाने की राह पर ब्रिटेन,

लंदन, एजेंसी। टिश सरकार प्रवासियों के लिए स्थायी निवास (आईएलआर) प्राप्त करने की प्रक्रिया को काफी कठिन बनाने की योजना बना रही है। यदि प्रस्तावित परिवर्तन लागू होते हैं, तो ब्रिटेन उच्च–आय वाले अधि ाकांश देशों की तुलना में अधिक प्रतिबंधात्मक हो जाएगा, और विशेष रूप से शरणार्थियों के लिए, यह एक ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है जिसका समान देशों में कोई उदाहरण नहीं मिलता। ब्रिटेन की गृह सचिव, शबाना महमूद, का इरादा अधिकांश प्रवासियों के लिए स्थायी निवास प्राप्त करने की आवश्यक अवधि को पांच साल से बढ़ाकर दस साल करने का है। कुछ मामलों में, यह अवधि ा 20 साल तक जा सकती है। यह परिवर्तन उन लोगों को विशेष रूप से प्रभावित करेगा जिनके पूर्णकालिक रोजगार में होने की संभावना कम है, जिनमें वर्क वीजा धारकों के आश्रित, पारिवारिक वीजा धारक और शरणार्थी शामिल हैं। पात्रता मानदंडों में कड़ाई नई प्रस्तावित पात्रता आवश्यकताओं में एक साफ आपराधिक रिकॉर्ड (पहले के 12 महीने की सजा की सीमा को हटाकर), अंग्रेजी भाषा का उच्च मानक, और प्रति वर्ष

12,570 पाउंड से अधिक की आय कम से कम तीन साल तक बनाए रखना शामिल है। दस साल की आधारभूत अवधि को व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर ऊपर या नीचे समायोजित किया जाएगा। उदाहरण के लिए, उच्च–कुशल श्रमिक, जिनमें एनएचएस के नर्स और डॉक्टर शामिल हैं, या जो 125,140 पाउंड से अधिक कमाते हैं, वे क्रमशः पांच या तीन साल के बाद योग्य हो सकते हैं। पारिवारिक वीजा पर रहने वाले (जैसे कि ब्रिटिश नागरिक से विवाहित) या एकीकरण के प्रयास करने वाले माने जाने वाले लोग, जैसे कि समुदाय में स्वयंसेवा करना, पांच से सात साल के बाद योग्य हो सकते हैं। जिन्होंने लाभ का दावा किया है, उन्हें 20 साल तक इंतजार करना होगा, जबकि जिन्होंने अवैध रूप से देश में प्रवेश किया है या अपने वीजा की अवधि पार कर ली है, उन्हें बसने के लिए 30 साल तक इंतजार करना पड़ सकता है। कम–कुशल श्रमिकों के लिए, आवश्यक अवधि 15 साल से शुरू होगी। शरणार्थियों के लिए यह 20 साल होगी, जिसमें कोई कमी नहीं की जाएगी जब तक कि व्यक्ति काम या अध्ययन न करे। ऐसे मामलों में, उनकी स्थिति समीक्षा के अधीन एक संरक्षण कार्य और अध्ययन वीजा में परिवर्तित हो जाएगी। क्या है इसके पीछे की वजह? सरकार ने स्थायी निवास प्राप्त करने वाले लोगों की बढ़ती संख्या को इन सुधारों के पीछे एक प्रमुख कारण बताया है। यह आंकड़ा 2017 से बढ़ रहा है, जो जून 2025 में समाप्त हुए वर्ष में 163,000 तक पहुंच गया था। गृह कार्यालय का अनुमान है कि यह संख्या अगले पांच वर्षों में काफी बढ़ेगी। सुध ाारों को अनियंत्रित प्रवासन के जवाब के रूप में भी प्रस्तुत किया गया है। सरकार ने डेनमार्क के मॉडल को प्रेरणा के रूप में उद्धृत किया है, यह तर्क देते हुए कि लंबी समय–सीमा बिना दस्तावेजों के प्रवेश को दृढ़ता से हतोत्साहित करेगी और ब्रिटेन को आकर्षित करने वाले खींचने वाले कारकों को कम करेगी। गृह कार्यालय का दावा है कि इन संशोधनों के लिए किसी कानून की आवश्यकता नहीं है, जिसका अर्थ है कि उन्हें संसदीय मतदान के लिए प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन विरोधियों ने अपने विचार स्पष्ट करने के लिए प्रतीकात्मक मतदान कराने के इरादे का संकेत दिया है। चिंताओं का एक बड़ा हिस्सा परिवर्तनों को पूर्वव्यापी रूप से लागू करने की योजनाओं से जुड़ा है। ये प्रस्ताव ब्रिटेन को अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में एक आउटलायर बना देंगे। यूरोपीय संघ में, स्थायी निवास के सबसे करीब का समकक्ष तीसरे देश के नागरिकों के लिए दीर्घकालिक निवासी स्थिति है, जिसके लिए कम से कम पांच साल के वैध वीजा पर रहने की आवश्यकता होती है। डेनमार्क और आयरलैंड यूरोपीय संघ के सदस्य देश हैं जिन्होंने यूरोपीय संघ–स्तरीय योजना से बाहर निकलने का विकल्प चुना है। इन देशों में प्रवासन और शरण नीति के लिए विशेष व्यवस्थाएं हैं, जो क्रमशः आठ और पांच साल की सीमाएं निर्धारित करती हैं। हालांकि, यह गिरावट व्यापक यूरोपीय संघ–व्यापी प्रवृत्तियों के साथ मेल खाती है, जिससे घरेलू नीति परिवर्तनों के लिए अकेले इस गिरावट को जिम्मेदार ठहराना मुश्किल हो जाता है। स्थायी निवास के लिए मानक योग्य अवधि को दस साल तक बढ़ाने से ब्रिटेन यूरोप और उत्तरी अमेरिका के अधिकांश अन्य तुलनीय लोकतंत्रों की तुलना में अधिक प्रतिबंधात्मक हो जाएगा, और विश्व स्तर पर सबसे सख्त में से एक होगा। शरणार्थियों के लिए इसे 20 साल तक बढ़ाने से ब्रिटेन का दृष्टिकोण समान देशों के बीच अभूतपूर्व हो जाएगा। ये नई आवश्यकताएं कतर और जापान जैसे देशों की आवश्यकताओं के करीब हैं, जिन्हें अधिकांश मामलों में क्रमशः 20 और दस साल की आवश्यकता होती है।

चक्रवात मैला का कहर: पापुआ न्यू गिनी में 11 की मौत, बोगेनविल में भूस्खलन ने मचाई तबाही

एजेंसी/पापुआ न्यू गिनी के स्वायत्त बोगेनविल क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय चक्रवात मैला ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हैं और व्यापक स्तर पर नुकसान की खबरें सामने आ रही हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, सेंट्रल बोगेनविल के आसिको गांव में भूस्खलन की भीषण घटना हुई, जिसमें कई घर मलबे में दब गए। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा, तेज हवाओं के चलते गिरे पेड़ों की चपेट में आने से दो महिलाओं की भी जान चली गई। करीब 12 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। आपदा ने बड़ी संख्या

में घरों और बुनियादों ढांचे को नुकसान पहुंचाया चक्रवात मैला सोलोमन सागर में कैटेगरी–5 की तीव्रता तक पहुंच गया था, जिसके चलते पापुआ न्यू गिनी और सोलोमन द्वीप समूह के कई हिस्सों में भारी बारिश, बाढ़, तेज हवाएं और समुद्री तूफानी लहरें देखने को मिलीं। इस आपदा ने बड़ी संख्या में घरों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है, वहीं कई इलाकों में भूस्खलन और जलभराव की स्थिति बनी हुई है। राहत और बचाव कार्यों को तेज करने का निर्देश स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मरापे ने राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने प्रभावित इलाकों में खाद्य सामग्री, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां और अस्थायी आश्रय पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रध ाानमंत्री ने भरोसा दिलाया है कि हर प्रभावित समुदाय तक मदद पहुंचाई जाएगी। हालांकि, शुरुआती अनुमान में इस चक्रवात के न्यू गिनी के दक्षिण–पूर्वी हिस्से से कैटेगरी–2 या 3 के रूप में टकराने की संभावना जताई गई थी, लेकिन बाद में यह कमजोर होकर ट्रॉपिकल लो में बदल गया। इसके बावजूद, इसने पूरे प्रशांत क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। इससे पहले 8 अप्रैल को सोलोमन द्वीप में तीन लोगों के लापता होने की भी खबर सामने आई थी। ऑस्ट्रेलिया के मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात मैला होनियारा से करीब 425 किलोमीटर पश्चिम और पोर्ट मोरेस्बी से लगभग 980 किलोमीटर पूर्व में कैटेगरी–5 की स्थिति में था।

समझौते की उम्मीद जगी: 21 घंटे की बातचीत बेनतीजा, लेकिन जेडी वेंस की पहल से अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ा भरोसा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुई शांति वार्ता भले ही किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच पाई, लेकिन इसने दोनों देशों के बीच रिश्तों में कुछ नरमी जरूर पैदा की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जेडी वेंस की अगुवाई में हुई करीब 21 घंटे लंबी बातचीत ने ईरान की नई नेतृत्व टीम के साथ श्गुडविलश यानी भरोसे का माहौल बनाने में मदद की। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि इस बातचीत से ईरान के साथ संवाद का रास्ता थोड़ा आसान हुआ है और आने वाले समय में ईरान अमेरिकी शर्तों को मानने पर विचार कर सकता है। हालांकि, अभी भी सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर ही बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि बातचीत के दौरान शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच अविश्वास था, लेकिन धीरे–धीरे माहौल बेहतर होता गया और दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के बीच तालमेल भी बढ़ा। खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा कि बातचीत काफी गहन रही और अंत में माहौल काफी दोस्ताना हो गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, जो सबसे बड़ी रुकावट है। अमेरिका की मांग है कि ईरान पूरी तरह से अपनी परमाणु संवर्धन क्षमता खत्म करे, ताकि वह कभी भी परमाणु हथियार न बना सके। वहीं ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ शांतिपूर्ण और नागरिक उपयोग के लिए है, और वह इसे पूरी तरह बंद नहीं करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, वार्ता के दौरान अमेरिका को यह भी समझ आया कि ईरान खुद को जितना मजबूत मान रहा है, असल स्थिति उतनी मजबूत नहीं हो सकती। यानी अमेरिका को अब ईरान की कमजोरियों का थोड़ा बेहतर अंदाजा लग गया है और आगे की रणनीति उसी आधार पर बनाई जा सकती है। ट्रंप ने होर्मुज के नाकाबंदी की घोषणा की इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से होर्मुज जलडमरूमध्‍य में नाकाबंदी की घोषणा भी ईरान पर दबाव बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। माना जा रहा है कि इससे ईरान पर समझौता करने का दबाव और बढ़ सकता है।

ड्रैगन का दोगलापन: भारत की सीमा के पास काउंटी बनाने के पीछे मंशा क्या? विदेश मंत्रालय दे चुका है दो-टूक जवाब

बीजिंग, एजेंसी। पूरी दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका–ईरान के बीच शांति वार्ता पर थीं। इसी बीच चीन ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और अफगानिस्तान की सीमा के पास एक नई चाल चल दी है। चीन ने इस सीमा पर अपने शिनजियांग प्रांत में एक तीसरा प्रशासनिक प्रभाग (काउंटी) स्थापित किया है। भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। शिनजियांग प्रांत की यह नई काउंटी चीन को दक्षिण और मध्य एशिया से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण परिवहन मार्गों पर स्थित है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम बीजिंग के सुदूर पश्चिमी सीमावर्ती इलाकों में शासन और सुरक्षा पर केंद्रित होने को दर्शाता है। चीन के लिए क्यों खास है ये इलाका? साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सेनलिंग नामक इस नए काउंटी को शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र की सरकार ने 26 मार्च को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी थी। यह काशगर प्रांत के अधिकार क्षेत्र में आएगा। प्राचीन सिल्क रोड पर स्थित एक ऐतिहासिक शहर काशगर, चीन को दक्षिण और मध्य एशिया से जोड़ने वाला एक रणनीतिक प्रवेश द्वार है। यह चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का शुरुआती बिंदु भी है, जो बेल्ट एंड रोड पहल का एक महत्वपूर्ण घटक है।

अराघची का दावा- पाक में शांति वार्ता के बीच पीएम नेतन्याहू ने वेंस को किया फोन! बदल गई प्राथमिकता

तेहरान, एजेंसी। इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही अहम शांति वार्ता अचानक बिना किसी समझौते के खत्म हो गई। इस पूरे घटनाक्रम पर ईरान ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि एक फोन कॉल ने सब कुछ बदल दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने आरोप लगाया कि इस्राइल के प्रध ाानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बातचीत के दौरान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को फोन किया, जिसके बाद वार्ता का रुख बदल गया। ईरानी विदेश मंत्री ने क्या किया दावा? अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस फोन कॉल के बाद बातचीत का फोकस अमेरिका–ईरान के मुद्दों से हटकर इस्राइल के हितों पर चला गया। उनका कहना है कि ईरान इस बातचीत में पूरी ईमानदारी के साथ शामिल हुआ था, लेकिन अमेरिका ने ऐसे शर्तें रखीं जो स्वीकार करना संभव नहीं था। अमेरिका ने ईरान के समक्ष क्या रखीं थी शर्तें? बताया जा रहा है कि इस्लामाबाद में करीब 21 घंटे तक चली इस बातचीत में अमेरिका ने ईरान के सामने कड़ी शर्तें रखीं।

इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य से अपने और अपने सहयोगियों के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, साथ ही ईरान के पूरे यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को खत्म करने और उसके मौजूदा यूरेनियम भंडार को सौंपने जैसी मांगें शामिल थीं। ईरान ने इन शर्तों को ठुकरा दिया। इस पूरी स्थिति पर अमेरिका की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है कि वास्तव में बातचीत में क्या पेश किया गया था। वहीं, ईरान का कहना है कि अमेरिका श्बातचीत की मेज पर वही हासिल करना चाहता था जो वह युद्ध में नहीं कर पाया। युद्धविराम पर मंडरा रहा खतरा इस बीच, हालात और भी संवेदनशील हो गए हैं क्योंकि कुछ दिन पहले जो दो हफ्ते का युद्धविराम हुआ था, अब उस पर भी खतरा मंडराने लगा है। इस युद्धविराम की अवधि खत्म होने में सिर्फ नौ दिन बचे हैं।

इस वार्ता के विफल होने का असर अब वैश्विक बाजार पर भी दिखने लगा है। खासकर तेल की कीमतों में फिर से उछाल आने की आशंका है। युद्धविराम के दौरान तेल की कीमतें कुछ कम हुई थीं, लेकिन अब विश्लेषकों का मानना है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं। होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बाधित इसके साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्‍य से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी है। ईरान ने वहां बारूदी सुरंगें, ड्रोन और मिसाइल तैनात कर रखी हैं और हर जहाज से भारी शुल्क की मांग कर रहा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ माना जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अमेरिका के सहयोगी देशों के बीच भी मतभेद उजागर कर दिए हैं। स्पेन और इटली जैसे देशों ने ईरान के खिलाफ किसी सैन्य कार्रवाई में अपनी जमीन या हवाई क्षेत्र देने से मना कर दिया है। कई अन्य नाटो देश भी अमेरिका के साथ खुलकर नहीं आ रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।